CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 257 ता. 06 अप्रेल 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी से मिला जम्मू-कश्मीर के उद्योगपतियों का प्रतिनिधिमंडल

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उद्योगपतियों के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में कश्मीर हाटेलियर्स क्लब के अध्यक्ष मुश्ताक चाया, कश्मीर चैंबर आफ कामर्स एंड डस्ट्रीज के अध्यक्ष शेख आशिक के अलावा बलदेव सिंह रैना, शौकत चौधरी और समीर अहमद शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के उद्योगपतियों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ.दरक्षां अंद्राबी ने किया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल शेख आशिक ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था की स्थिति सहित अन्य विभिन्न मुद्दों को विवरण ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। उन्होंने नियमित तौर पर जेद्दा और दुबई के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू करने की मांग की ताकि इससे प्रदेश के उद्योगपति अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में आसानी से बेच सकें। यह तभी संभव होगा जब उक्त देशों के लिए जम्मू-कश्मीर से सीधी हवाई सेवा नियमित तौर पर होगी। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और व्यवसायिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी। काफी हद तक रोजगार के भी कई साधन पैदा होगा। जम्मू-कश्मीर में रोशनी एक्ट सहित गुलमर्ग और पहलगाम में लीज पर भूमि देने सहित अन्य मुद्दों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। कश्मीर के कालीन उद्योग की जीआई टैगिंग सहित इस उद्योग को प्रोत्साहित करने के विभिन्न पहलूओं पर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को ध्यान से सुना और कहा कि उनकी उचित मांगों पर पूरा गौर किया जाएगा।

बालासाहेब का चेला हूं, गोली मार दो पर झुकूगा नहीं, ईडी के एक्शन पर भड़के राउत

मुंबई । शिवसेना नेता संजय राउत ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ईडी की ओर से अपना फ्लैट और प्लॉट कुर्क करने को लेकर कहा कि भले मुझे ही गोली मार दी जाए या फिर जेल भेज दिया जाए, मैं चुप नहीं बैठूंगा। राउत ने कहा कि मैं बालासाहेब ठाकरे का चेला हूं और झुक नहीं सकता। राउत ने कहा, प्रॉपर्टी का मतलब आखिर क्या होता है। क्या मैं मेहुल चोकसी हूं, नीरव मोदी हूं या फिर विजय माल्या हूं। मैं अंबानी या अडानी भी नहीं हूं। मैं जिस घर में रहता हूं, वह छोटा सा है। मेरा जो पैतृक स्थान अलीबाग है, वहां एक एकड़ जमीन भी नहीं है। जो भी हमने लिया है, वह मेहनत की कमाई से खरीद है, जो 2009 में ली गई थी। राउत ने ईडी की कार्रवाई को बदले का एक्शन बताया। उन्होंने कहा, यह जो कुछ भी हो रहा है, वह बदले की कार्रवाई से हो रहा है। मुझे पहले ही धमकियां मिल रही थीं कि यदि आप महाराष्ट्र की सरकार गिराने में सहयोग नहीं करते हैं, तब फिर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई होगी। बेहद तल्ख अंदाज में दिख रहे शिवसेना के राज्यसभा सांसद ने कहा, हम डरने वाले नहीं हैं, चाहे हमें गोली मार दो। प्रॉपर्टी जब्त कर लो या फिर जेल भेज दो। राउत बालासाहेब ठाकरे का चेला है, चुप नहीं बैठेगा और आप लोगों की पोल खोलता रहेगा। दो सालों से कार्रवाई चल रही है, लेकिन मैं चुप नहीं बैठा। अब जिसे फुदकना है, फुदकता रहे, नाचता रहे। आने वाले दिनों में पता चल जाएगा कि आखिर सच क्या है।

मोदी ने बीजेपी सांसदों को दिया कड़ा संदेश, सेवा भाव से जनता के बीच करें काम

नेशनल डेस्क ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस से एक दिन पहले मंगलवार को पार्टी के सांसदों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि वह सेवा व समर्पण भाव के साथ जनता के बीच जाकर काम करें और केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण तथा महत्वाकांक्षी योजनाओं का प्रचार प्रसार करें। प्रधानमंत्री ने आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक में यह बात कही। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसदों से स्थापना दिवस और सामाजिक न्याय पखवाड़े के तहत अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में प्रतिदिन एक बड़ा आयोजन करने और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने को कहा। ज्ञात हो कि भाजपा अपने स्थापना दिवस से लेकर 14 दिनों तक सामाजिक न्याय पखवाड़ा मना रही है। पार्टी ने इस दौरान कई कार्यक्रमों के आयोजन का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मोदी पार्टी के स्थापना दिवस पर बुधवार को डिजिटल माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करने वाले हैं। संसदीय दल की बैठक में पूर्वोत्तर में भाजपा के उदय का भी उल्लेख किया गया। पूर्वोत्तर के लगभग सभी राज्यों में या तो भाजपा या फिर उसके नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकारें हैं। नगालैंड से भाजपा की पहली महिला सांसद एस फान्गनॉन कोन्यक भी आज संसदीय दल की बैठक में शामिल हुईं। वह राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुनी गई हैं। सूत्रों ने बताया कि भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बैठक में राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या 100 तक पहुंचने का उल्लेख किया और इसे पार्टी की बड़ी उपलब्धि बताया। बैठक के बाद संवाददाताओं को सबोधित करते हुए संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से पार्टी की ओर से आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। जोशी के मुताबिक मोदी ने कहा, ''उन्हें (सांसदों को) जनसेवा के लिए खुद को समर्पित कर देना चाहिए। पार्टी के सांसद और अन्य सदस्य सात अप्रैल को ''आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों के प्रभावों को रेखांकित करेंगे। आठ और नौ अप्रैल को होने वाले कार्यक्रमों के केंद्र में गरीबों के लिए आवास योजना और हर घर नल से जल योजना रहेगी। पार्टी नौ अप्रैल को ज्योतिबा फुले और 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती भी व्यापक स्तर पर मनाने की तैयारी कर रही है। जोशी ने कहा कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करेंगे।

मुख्यमंत्री धामी ने की केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पार्लियामेंट हाउस, नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री से अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के जनपदों में हिम प्रहरी योजना लागू किये जाने में केंद्र से सहयोग का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के जनपदों (उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, चम्पावत और ऊधमसिंहनगर के खटीमा) के ग्रामों से हो रहे पलायन को रोकने, दैवीय आपदा में राहत व बचाव कार्यों के लिये पुलिस, आईटीबीपी व एसएसबी के सहयोग से सीमा रक्षक दल/हिम प्रहरी दलों का गठन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त दल में सम्मिलित व्यक्तियों को प्रोत्साहन भत्ते के रूप में मानदेय प्रस्तावित है। इस पर लगभग 05 करोड़ 45 लाख रूपए का व्यय भार अनुमानित है। इसमें केंद्र का सहयोग निवेदित है। मुख्यमंत्री ने राज्य पुलिस को और अधिक प्रभावी व आधुनिक बनाए जाने के लिये राज्य पुलिस बल आधुनिकीकरण योजना में प्रति वर्ष 20 से 25 करोड़ रूपए का बजट स्वीकृत किये जाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध से पीड़ित महिलाओं के राहत व पुनर्वास के लिये निर्भया फंड बहुत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार द्वारा निर्भया फंड के लिये केंद्र से 25 करोड़ रूपए का प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने उक्त प्रस्ताव को जल्द स्वीकृत किये जाने का भी अनुरोध किया।

धामी ने पीएम मोदी से मुलाकात कर मांगा 2000 करोड़ का बागवानी पैकेज

नई दिल्ली ।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में मंगलवार को भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि उत्तराखंड को कश्मीर तर्ज पर 2000 करोड़ रुपए का बागवानी पैकेज दिया जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखंड में बागवानी की अपार सम्भावनाएं हैं। धामी ने प्रधानमंत्री से राज्य के सीमित वित्तीय संसाधनों को देखकर जीएसटी प्रतिकर अवधि को बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने उत्तराखंड में नवीनतम तकनीक व वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देने के लिए भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) की स्थापना और फार्मास्यूटिकल उद्योग के विकास के लिये नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) की स्थापना का आग्रह किया। टीएचडीसी इण्डिया लिमिटेड की अंशधारिता में उत्तर प्रदेश के अंश का उत्तराखण्ड को हस्तांतरित करने के लिए न्यायालय से बाहर सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए केंद्र सरकार की विशेष पहल का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने चारधाम की तर्ज पर कुमाऊं मंडल के पौराणिक स्थलों व मंदिरों को तीर्थाटन से जोड़ने के लिए मानसखण्ड मंदिर माला मिशन की स्वीकृति देने और पिथौरागढ़ एयरस्ट्रिप से हवाई सेवाओं के संचालन की अनुमति का भी अनुरोध किया। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य में संचालित विकास कार्यों के बारे में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने बताया कि रेल मंत्रालय द्वारा ऋषिकेश-उत्तरकाशी रेल लाइन के निर्माण के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे के उपरांत डी.पी.आर तैयार कर ली गई है। उन्होंने ऋषिकेश-डोईवाला रेलवे ट्रेक के निर्माण और देहरादून रेलवे स्टेशन को हरावाला स्थानांतरित करने की अनुमति देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, योग व आयुर्वेदिक चिकित्सा में प्रसिद्ध है। यहां अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना से आयुष पद्धति को बढ़ावा मिलेगा और यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जौलिंगकांग के मध्य 05 किमी टनल और वेदांग से गौ व सिपु तक 20 किमी सड़क मार्ग का निर्माण किए जाने तवाघाट से बेदांग तक का मार्ग कनेक्ट हो जाएगा। यह जौलींगकांग एवं बेदांग की दूरी 161 किमी कम कर देगा। इसी प्रकार सिपु से तोला के मध्य लगभग 22 किमी लंबाई की टनल के निर्माण से दारमा वैली और जोहर वैली एक दूसरे से जुड़ जाएंगी। मिलम से लष्थल तक 30 किमी टनल के निर्माण से जनपद पिथौरागढ़ की जोहार घाट व जनपद चमोली का लष्थल सड़क मार्ग से जोड़ा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने उक्त तीनों टनलों के निर्माण को स्वीकृति दिये जाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी पार्लियामेंट हाउस में भेंट की। मुख्यमंत्री सीमाओं के जनपदों में हिम प्रहरी योजना लागू करने में केंद्र से सहयोग का अनुरोध किया।

केंद्र का किसानों को आश्वासन- दुनिया में कीमतें बढ़ने के बाद भी मौजूदा मूल्य पर ही मिलेंगे उर्वरक

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने मंगलवार को देश के किसानों को आश्वत किया कि आगामी रबी और खरीफ मौसम में उन्हें मौजूदा कीमत पर ही पर्याप्त उर्वरकों की आपूर्ति की जाएगी। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पिछले साल भी उर्वरकों की आपूर्ति को लेकर बड़ी चिंता थी और नरेंद्र मोदी नीत सरकार ने समय-समय पर निर्णय लेते हुए किसानों की जरूरतों को 'समय पर और सही दाम पर' पूरा किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस बात को लेकर प्रतिबद्ध है कि उर्वरकों की जो कीमत आज है, वही कीमत बनी रहेगी, हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमतों में चार-पांच गुना तक वृद्धि हो चुकी है। मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में वृद्धि होने के बावजूद सरकार किसानों को सब्सिडी देती रहेगी और उनकी जरूरतों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास रहा है कि उर्वरकों का घरेलू उत्पादन बढ़े और इस क्रम में राष्ट्रीय यूरिया नीति भी तैयार की गयी है। उन्होंने कहा कि उर्वरकों के गैस आधारित 25 संयंत्र शुरू किए गए हैं ।

33 हजार किलोमीटर बाइक चलाकर 9 टन वजनी शिवलिंग को लेकर धौलपुर पहुंचीं बुलेट रानी

धौलपुर । 21 राज्यों में 33 हजार किलोमीटर बाइक चलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रचार करने वाली बुलेट रानी राजलक्ष्मी मंदा एक ट्रक में 9 टन वजनी शिवलिंग को लेकर धौलपुर पहुंचीं। दरअसल, बुलेट रानी राजलक्ष्मी ने बताया कि धर्म की रक्षा करने के लिए उनकी 25 सदस्य टीम ने 1 मार्च को महाशिवरात्रि के मौके पर एक संकल्प लिया था। संकल्प के तहत उन्होंने एक ट्रक में 9 फीट ऊंची और 9 टन वजनी शिवलिंग की प्रतिमा के साथ भगवान शिव के परिवार को रखकर उन्हें सभी ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराने के बाद भदौही उत्तर प्रदेश में स्थापित करने बीड़ा उठाया। बुलेट रानी ने बताया कि धर्म की रक्षा करने का संदेश देकर उनकी टीम फलाहारी बाबा के नेतृत्व में लीगल राइट काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से 9500 किलोमीटर का सफर कर रही है। ट्रक में शिव परिवार को लेकर 12 ज्योतिर्लिंग का दर्शन करने के बाद सुंदरवन भदौही में उनकी प्रतिष्ठा कराई जानी है। शिव परिवार को ट्रक में लेकर खुद ट्रक चलाकर वहां अब तक 9 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर चुकी हैं।

एक फेसबुक अकाउंट और एक न्यूज वेबसाइट को भी बंद किया

मोदी सरकार ने 22 यूट्यूब चैनल्स, तीन टविटर अकाउंट पर की डिजिटल स्ट्राइक

नई दिल्ली।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने आईटी रुल 2021 के तहत इमरजेंसी पावर का इस्तेमाल करते हुए 22 यूट्यूब चैनल्स, तीन टविटर अकाउंट, एक फेसबुक अकाउंट और एक न्यूज वेबसाइट को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। ब्लॉक किए गए यूट्यूब चैनल्स के पास कुल 260 करोड़ व्यूअरशिप थी। इन अकाउंट्स और चैनल्स का इस्तेमाल संवेदनशील और भारत की सुरक्षा, विदेश नीति और पब्लिक ऑर्डर से जुड़े मामलों में फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलान के लिए किया जा रहा था। आईटी नियम 2021 के आधार पर यह पहला मौका है, जब भारतीय यूट्यूब चैनल्स पर एक्शन लिया गया है। बता दें कि सरकार पिछले साल फरवरी में आईटी रूल्स 2021 का नोटिफिकेशन जारी किया था। लेटेस्ट ब्लॉकिंग ऑर्डर के तहत 18 भारतीय और 4 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल्स को बैन किया गया है। इन यूट्यूब चैनल्स का इस्तेमाल विभिन्न मुद्दों पर फेक न्यूज फैलाने के लिए किया जा रहा था। खासकर भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर जैसे मुद्दों पर फर्जी पोस्ट इन चैनल्स के जरिए किए जा रहे थे। विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए पोस्ट किए गए भारत विरोधी कंटेंट को भी ब्लॉक किया गया है। जांच में पाया गया है कि भारतीय यूट्यूब चैनल्स द्वारा यूक्रेन की स्थिति पर भी कई गलत जानकारियां शेयर की गई हैं। दूसरे देशों के साथ भारत के संबंधों को प्रभावित करने की मंशा से इन चैनल्स द्वारा पोस्ट किया जा रहा था। ब्लॉक किए गए यूट्यूब चैनल्स में कई टीवी चैनल्स के लोगो और टैम्पलेट का इस्तेमाल किया गया था। इन चैनल्स ने अपने पोस्ट के थम्ब नेल में कई टीवी एंकर्स की तस्वीर भी यूज की है, जिससे व्युअर्स को गुमराह किया जा सके। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर गलत थम्बनेल और टाइटल के साथ पोस्ट किए गए थे। कुछ मामलों में भारत के खिलाफ फेक न्यूज को पाकिस्तान से फैलाया जा रहा था इस फैसले के साथ पिछले साल दिसंबर यानी दिसंबर 2021 से अब तक मंत्रालय ने 78 यूट्यूब चैनल्स को ब्लॉक किया है। अब तक मंत्रालय ने 78 यूट्यूब चैनल्स को ब्लॉक किया है। इसके साथ ही कई सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी बैन किया गया है, जो देश की सुरक्षा और पब्लिक ऑर्डर के मुद्दों को गलत जानकारी फैला रहे थे।मंत्रालय ने कहा है कि भारत सरकार एक प्रामाणिक, भरोसेमंद और सुरक्षित ऑनलाइन समाचार मीडिया एनवॉर्मेंट सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, और भारत की संप्रभुता और अखंडता, राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी संबंधों और सार्वजनिक व्यवस्था को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को विफल करती है।

खालिद सैफुल्लाह रहमानी के बयान पर गिरिराज सिंह ने कहा, जिन्ना वाली सोच

नई दिल्ली ।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी के बयान को लेकर देश में राजनीतिक माहौल गर्म हो रहा है। रहमानी के बयान पर प्रतिक्रिया देकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इसे जिन्ना की सोच से प्रेरित बताया , वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं बागपत से लोकसभा सांसद सत्यपाल सिंह ने दावा किया कि भाजपा सरकार की योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ मुसलमानों को ही मिल रहा है। जबकि दिल्ली से भाजपा लोकसभा सांसद प्रवेश वर्मा ने बयान देने वाले वाले को पाकिस्तान जाने की सलाह दे डाली। केंद्रीय मंत्री सिंह ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा कि शायद दुनिया मे भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां हालात खराब होने की बात कहने के बावजूद लोग प्रधानमंत्री की आलोचना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब इनके लिए हालात खराब है,तब ये मठ मंदिरों में घुसकर मारने की तैयारी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये वहीं लोग कह रहे हैं जिनके दिमाग मे जिन्ना का जिन्न बैठ गया है। वहीं सांसद सत्यपाल सिंह ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बयान को गलत, दुर्भाग्यपूर्ण और बहकाने वाला बयान बताकर तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भारत में अल्पसंख्यक समुदाय खासकर मुसलमानों को जितना अधिकार मिला हुआ है उतना बहुसंख्यक समुदाय के लोगों को भी नहीं है। सिंह ने भाजपा की केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ मुसलमानों को मिलने का दावा करते हुए ।

नकवी बोले- हज यात्रा को लेकर हमने कर ली पूरी तैयारी, बस सउदी सरकार के निर्णय की प्रतीक्षा

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी कैबिनेट के सदस्य केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को कहा कि इस साल हज की यात्रा के लिए भारत सरकार ने अपनी तरफ से पूरी तैयारी कर ली है और वह इस संबंध में सउदी अरब की सरकार के फैसले का इंतजार कर रही है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान एक सदस्य की ओर से दो साल से हज की यात्रा ना होने का मुद्दा उठाए जाने के जवाब में नकवी ने यह बात कही। नकवी ने कहा, 'कोरोना महामारी के दौरान पिछले दो वर्ष से भारतीय हज यात्रा पर नहीं जा सके हैं। इस बार हम कोशिश कर रहे हैं। हमारी तैयारियां हैं।' उन्होंने कहा कि हज यात्रा सऊदी अरब में होती है और इस बारे में निर्णय लेने का काम वहां की सरकार का है। उन्होंने कहा, 'सऊदी सरकार को तय करना है कि हज यात्रा कब होगी और कितने लोग हिंदुस्तान से जाएंगे। सऊदी अरब की सरकार जैसे ही यह तय करेगी, हम उसके साथ हैं। हमने अपनी तैयारी पूरी कर ली है।' नकवी ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद रिकॉर्ड दो लाख से ज्यादा हज यात्री हिंदुस्तान से हज यात्रा करने गए हैं। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य मोहम्मद नदीमुल हक ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पिछले दो साल से कोविड-19 की वजह से हज यात्रा नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने यात्रा के लिए फॉर्म भर कर जमा कर दिया है लेकिन मगर अल्पसंख्यक मंत्रालय की ओर से स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि हज कमेटी में 11 सदस्यों को नामित किया गया है और इसमें कुछ खामियां रह गई है।

गुजरात चुनाव में बहुमत नहीं तो आप को 50 से अधिक सीटें जरूर मिलेंगी : संदीप पाठक

अहमदाबाद ।

पंजाब में शानदार सफलता से गदगद आम आदमी पार्टी (आप) को गुजरात विधानसभा के चुनाव में अपने लिए अच्छी संभावनाएं नजर आ रही हैं7 आप का दावा है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत नहीं तो 50 अधिक सीटों पर जीत जरूर मिलेगी7 गुजरात आप के प्रभारी संदीप पाठक का दावा है कि अगर राज्य में अभी चुनाव होते हैं तो उनकी पार्टी 58 सीटें जीत सकती है7 एक एजंसी की रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात में आप 55 सीटें जीत सकती है7 जबकि हमारे आंतरिक सर्वे में आम आदमी पार्टी को 58 सीटें मिलने की संभावना है7 संदीप पाठक ने कहा कि गुजरात के लोग बदलाव चाहते हैं और कांग्रेस मौजूदा समय में भाजपा को हरा नहीं सकती7 इसलिए गुजरात के लोग आम आदमी पार्टी को एक अच्छा विकल्प मानते हैं7 उन्होंने कहा कि हम यहां किसी पार्टी को हराना नहीं चाहते बल्कि यह चाहते हैं कि गुजरात के लोगों की जीत हो7 गुजरात के लोगों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। पाठक ने कहा कि एक समय था जब गुजरात के ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत थी, लेकिन अब हालात बदल गए हैं7 आप की नजर उन इलाकों पर है जहां आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भाजपा पर भरोसा नहीं करते। हम ऐसे लोगों के लिए भी एक बेहतर विकल्प बनने की कोशिश कर रहे हैं। संदीप पाठक ने कहा कि वैसे गुजरात विधानसभा के चुनाव दिसंबर तक होंगे, परंतु कुछ जानकारों के मुताबिक राज्य में चुनाव समय से पहले भी कराए जा सकते हैं। गौरतलब है पंजाब की जीत के रणनीतिकार माने जाते संदीप पाठक दिल्ली आईआईटी के पूर्व प्रोफेसर हैं। गौरतलब है पंजाब की जीत के रणनीतिकार माने जाते संदीप पाठक दिल्ली आईआईटी के पूर्व प्रोफेसर हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव में आप को मिली एकतरफा जीत का श्रेय संदीप पाठक की रणनीति को दिया जाता है। संदीप पाठक अब पंजाब की रणनीति पर गुजरात में करना चाहते हैं। संदीप पाठक का कहना है कि जो लोग अच्छी स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाएं गुजरात में चाहते हैं, उनका आम आदमी पार्टी में स्वागत है। उनका यह भी कहना है कि गुजरात और पंजाब में काफी समानता है और दोनों ही राज्य तरक्कीपसंद हैं तथा दोनों को बदलाव की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा में सवाल पूछते हुए असहज हुई भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्य

नई दिल्ली । उत्तरप्रदेश के बदायूं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद लोकसभा में उस समय कुछ पल के लिए असहज हो गईं, जब गलती से वह गलत सवाल पूछ बैठीं। स्पीकर के टोकने पर उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ,तब संघमित्रा मौर्य ने अपना सवाल बदला। संघमित्रा मौर्य समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी हैं। लोकसभा में मंगलवार को सभापति के स्थान पर बैठे राजेंद्र अग्रवाल ने संघमित्रा को अपना सवाल पूछने को कहा। संघमित्रा ने एक कागज लेकर खड़ी होकर उस पढ़ना शुरू किया। उन्होंने कहा, मैं जानना चाहती हूं कि अभी तक युवा कार्यक्रमों का जो प्रयोजन हुआ था उसमें पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की भागीदारी कितनी थी, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में क्या था। महिलाओं की संख्या क्या थी और इन कार्यक्रमों के आयोजनों से निचले स्तर के लोगों को हुआ है क्या? इस बीच अग्रवाल ने पटल पर रखे सवाल को देखकर संघमित्रा को टोक कर कहा, संघमित्रा जी विषय बदल दिया है, आपने, सम्राट अशोक के बारे में लिखा है कुछ। यह सुनकर संघमित्रा मौर्य को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने तुरंत अपने हाथ में मौजूद उस पर्चे को बेंच पर रख दिया, जिससे वह सवाल पूछ रही थीं। संघमित्रा के पास सवाल लिखित में नहीं था। वह कुछ पल के लिए असहज हो गईं, लेकिन अपना प्रश्न याद करते हुए पूछा। संघमित्रा ने कहा, सभापति महोदय, मैंने आपके माध्यम से पिछले सत्र में भी मांग की थी, कि सम्राट अशोक की जयंती पर अवकाश की घोषणा की जाए, किंतु मुझे पत्र से सूचित किया गया कि सीमित संख्या में ही राष्ट्रीय अवकाश घोषित किए जा सकते हैं,तब मैं सरकार से मांग करती हूं कि चैत्र मास की अष्टमी को जिस दिन सम्राट अशोक का जन्म हुआ था उस दिन को सम्राट अशोक जयंती के नाम से घोषणा की जाए ताकि जो भी लोग सम्राट अशोक की जयंती का आयोजन करना चाहते है वह कर सकें, एक दिन सुनिश्चित हो सके, जिस तरह बिहार में हुआ है, पूरे देश में हो सके।

पत्रकार से बदतमीजी और धमकी मामले में अभिनेता सलमान खान को राहत, कोर्ट में पेश होने से मिली छूट

मुंबई, । पत्रकार से बदतमीजी और धमकी मामले में अभिनेता सलमान खान को कोर्ट में पेश होने से छूट मिली है. मामले में अगली सुनवाई 9 मई को होगी. दरअसल सलमान खान को 22 मार्च को अंधेरी कोर्ट ने समन भेजा था, जिसके बाद उन्हें मंगलवार को पेश होना था. इस बीच सलमान खान ने मामले को खारिज करने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट में अर्जी दी है. मामला साल 2019 का है जब साइकिल चलाते समय पत्रकार से उनका विवाद हुआ था. आपको बता दें कि सलमान खान ने अशोक पांडे नाम के पत्रकार के साथ बदसलूकी की थी जिसके बाद पांडे ने साल 2019 में सलमान खान के खिलाफ मुंबई के डीएन नगर पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत के मुताबिक, सलमान खान ने मुंबई की सड़कों पर साइकिल चलाते हुए पत्रकार का मोबाइल फोन छीन लिया था. घटना तब हुई जब मीडियाकर्मियों ने उनकी तस्वीरें क्लिक करना शुरू कर दिया था. सलमान ने पत्रकार को धमकी दी थी. इसी मामले में अंधेरी कोर्ट ने सलमान खान को समन भेजा था और कोर्ट के सामने 5 अप्रैल को उपस्थित रहने को कहा था. सलमान खान ने इस मामले को लेकर हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया और इस एफआईआर को ख़त्म करने के लिए निवेदन दिया है ।

शिवसेना नेता संजय राउत पर कसा क़ानूनी शिकंजा, ईडी ने सील की करोड़ों की संपत्ति

मुंबई,। शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क़ानूनी शिकंजा कसते हुए उनकी करोड़ों की संपत्ति सील कर दी है. यह कार्रवाई मुंबई के गोरेगांव इलाके में पत्रा चाल भूमि घोटाला से संबंधित बताया गया है. बताया जा रहा है ये घोटाला 1034 करोड़ रुपये का है. जानकारी के अनुसार ईडी ने पीएमएलए जांच में राउत से जुड़े अलीबाग के आठ प्लॉट और मुंबई के दादर इलाके में स्थित एक फ्लैट कुर्क किए. बताया गया है कि संजय राउत के रिश्तेदारों की संपत्तियों को भी ईडी ने सीज किया है। ईडी ने अपनी इस कार्रवाई में 11 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। इसमें से नौ करोड़ की संपत्ति प्रवीण राउत की है जबकि दो करोड़ की संपत्ति संजय राउत की पत्नी की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 1034 करोड़ के पत्रा चाल लैंड स्कैम मामले में संजय राउत के करीबी प्रवीन राउत का नाम सामने आया था जिन्हें ईडी गिरफ्तार कर चुकी है. इस मामले की चार्जशीट भी ईडी ने दायर की है. प्रवर्तन निदेशालय की इस कार्रवाई के बाद संजय राउत ने एक ट्वीट किया. उन्होंने ट्विटर पर लिखा।

बिहार शराबबंदी कानून को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने टाली

नई दिल्ली । बिहार के शराबबंदी कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 18 अप्रैल के लिए टाल दी है। बिहार सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील रंजीत कुमार ने कोर्ट को बताया कि 1 अप्रैल को राज्य सरकार ने कानून में कई बदलाव किए हैं। कोर्ट ने संशोधित कानून रिकॉर्ड पर रखने की अनुमति देते हुए सुनवाई टाल दी। 15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद (संशोधन) अधिनियम को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को पटना हाई कोर्ट से अपने पास ट्रांसफर कर लिया था। जस्टिस ए एम खानविलकर और सी टी रविकुमार की बेंच याचिकाकर्ता इंटरनेशनल स्पिरिट एंड वाइंस एसोसिएशन की याचिका को सुनते हुए यह माना था कि यह मसला सुप्रीम कोर्ट में पहले से लंबित है। इसी आधार पर बेंच ने यह आदेश दिया था कि सभी केस पटना हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर कर दिए जाएं। आज बिहार सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील रंजीत कुमार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अभी तक सभी रिकॉर्ड पटना हाई कोर्ट से यहां नहीं पहुंचे हैं। बिहार के वकील ने यह भी बताया कि 1 अप्रैल को राज्य सरकार ने कानून के कई प्रावधानों को बदला है। उन्होंने बदले हुए प्रावधानों पर हलफनामा दाखिल करने की अनुमति मांगी। जजों ने इसे स्वीकार करते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। इस बेंच के अलावा सुप्रीम कोर्ट की 2 और बेंच बिहार के मद्यनिषेध कानून पर की जमानत के खिलाफ राज्य सरकार की अपील ठुकरा दी थी।

भगवा रंग की टोपी और पीएम की फोटो वाली चाकलेट के साथ दिखे भाजपा सांसद

नई दिल्ली ।

भाजपा की मंगलवार सुबह संसदीय दल की बैठक हुई है। बैठक में भाजपा के तमाम सांसद मौजूद रहे। बैठक के दौरान अलग नजारा देखने को मिला। पार्टी के कई सांसदों ने भगवा रंग की टोपी पहनी हुई थी। बताया जा रहा है कि ये वहां ही टोपी है, इस पीएम नरेन्द्र मोदी ने बीते महीने अहमदाबाद रोड शो में पहना था। खबर के मुताबिक, भाजपा सांसदों को चाकलेट भी दी गई। चाकलेट के रैपर पर पीएम मोदी की तस्वीर छपी थी। बताया जा रहा है कि इस टोपी को गुजरात भाजपा इकाई ने तैयार करवाया है। टोपियों को संसदीय दल की बैठक में आए भाजपा सांसदों में बांटा गया था। टोपी पर भाजपा का चुनाव चिन्ह कमल का निशान था। इसके अलावा सांसदों को चाकलेट भी दी गई। टोपी का डिजाइन उत्तराखंड की पारंपरिक टोपी से लिया है। उत्तराखंड की टोपी पर ब्रह्मकमल अंकित होता है। ब्रह्मकमल उत्तराखंड का राजकीय फूल है। मोदी ने उत्तराखंडी टोपी को गणतंत्र दिवस के मौके पर पहना था। इसके बाद से टोपी की डिमांड काफी बढ़ गई है। पीएम मोदी ने बैठक में 6 अप्रैल को पार्टी के स्थापना दिवस से शुरू होने वाले कार्यक्रमों की एक श्रृंखला पर चर्चा की। भाजपा ने अपने स्थापना दिवस के मौके पर कई कार्यक्रमों की योजना बनाई है। कार्यक्रम की शुरुआत पीएम मोदी के संबोधन से होगी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने नौ दिनों के लिए तय कार्यक्रम पर भाजपा सांसदों से चर्चा की। भाजपा के एक सांसद ने कहा कि पीएम ने पोषण अभियान जैसे कई सरकारी कार्यक्रमों के बारे में भी बात की। उन्होंने हम सभी से पोषण अभियान और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में प्रचार करने के लिए कहा गया है।

कर्नाटक सरकार में बदलाव के आसार

नई दिल्ली । कर्नाटक विधानसभा चुनाव से करीब एक साल पहले ही प्रदेश भाजपा में गतिविधियां तेज हो गई हैं। खबर है कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई कैबिनेट में बदलाव को लेकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात करने वाले हैं। वह राजधानी दिल्ली के लिए रवाना हो रहे हैं। राज्य में अप्रैल 2023 में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। वहीं, इस सियासी उठा पटक के बीच राज्य के कई भाजपा नेताओं ने भी दिल्ली में डेरा डाल लिया है। बोम्मई ने कहा, मैंने नड्डा जी और अमित शाह जी से मुलाकात के लिए समय मांगा है, लेकिन अपॉइंटमेंट मिलना अभी बाकी है। अगर समय मिलेगा तो मैं उनसे मुलाकात करूंगा। भाजपा सूत्रों के हवाले से लिखा कि कैबिनेट में जगह पाने की संभावनाएं और बाहर होने का डर लेकर कई मंत्री और नेता भी दिल्ली पहुंच गए हैं। हाल के हफ्तों में बोम्मई ने कहा कि वह अप्रैल की शुरुआत में नई दिल्ली की यात्रा के दौरान कैबिनेट विस्तार पर अंतिम फैसला ले लेंगे। खास बात है कि वे दिल्ली भी ऐसे समय पर पहुंच रहे हैं, जब भाजपा संसदीय दल की बैठक हो रही है। फिलहाल, कर्नाटक 34 मंत्रियों वाली कर्नाटक सरकार में चार पद रिक्त हैं। अटकलें हैं कि पार्टी नए चेहरों को शामिल करने के लिए कम से कम चार मंत्रियों को बाहर कर सकती है। अटकलें ये भी लगाई जा रही हैं कि भाजपा 2023 चुनाव से पहले नए पार्टी अध्यक्ष नए पार्टी अध्यक्ष नियुक्त कर रही है। बोम्मई ने कहा, मुझे केबिनेट विस्तार के बारे में अभी तक जानकारी नहीं है, लेकिन एक बार मैं दिल्ली जाऊंगा और नड्डा जी और अमित जी से मिल लूंगा, तो संभावना है कि कुछ स्थिति साफ हो जाए।

कोरोना के चलते अनाथ हुए बच्चों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि कोविड के चलते अनाथ हुए बच्चे अपने माता-पिता की संपत्ति से वंचित न रह जाएं। कोर्ट इस तरह के बच्चों की स्थिति पर खुद संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। इससे पहले कोर्ट बच्चों की शिक्षा जारी रखने और उनकी दूसरी जरूरतों का ध्यान रखने का राज्यों को निर्देश दे चुका है। मामले में एमिकस क्यूरी की हैसियत से कोर्ट की सहायता कर रहे वकील गौरव अग्रवाल ने आशंका जताई थी कि माता-पिता पर बकाया कर्ज़ की वसूली के लिए वित्तीय संस्थान संपत्ति पर कब्ज़ा कर सकते हैं। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली बेंच ने राज्यों को इस पहलू पर गौर करने के लिए कहा है। सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार से संरक्षण आयोग की तरफ से रखी गई रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। बताया है देशभर में कोरोना के चलते 10,793 बच्चों ने दोनों अभिभावकों को खोया है। 1,51,322 बच्चों के माता-पिता में से एक की मृत्यु इस बीमारी से हुई है। आयोग ने यह भी बताया है कि राज्यों ने इन बच्चों की स्थिति जानने के लिए सोशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट अब तक पूरी नहीं की है। कोर्ट ने इस पर असंतोष जताते हुए राज्यों को प्रक्रिया जल्द पूरी करने के लिए कहा।

तब्लीगी जमात के मामले में दिल्ली पुलिस के पास जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी के दौरान विदेश से निजामुद्दीन मरकज में आए तब्लीगी जमात के सदस्यों को अपने घर में शरण देने के मामले में दर्ज एफआइआर मामले में लिखित जवाब दाखिल करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को आखिरी मौका दिया है। न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता की पीठ ने अदालत के आदेश के बावजूद भी लिखित जवाब नहीं दाखिल करने पर सवाल उठाया। साथ ही पुलिस को आखिरी मौका देते हुए सुनवाई 25 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुई अधिवक्ता अशिमा मंडला ने पीठ को बताया कि पुलिस ने अदालत के निर्देश के बावजूद भी लिखित बयान नहीं दिया है। पिछली सुनवाई पर पीठ ने दिल्ली पुलिस से सवाल किया कि क्या गत वर्ष तब्लीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल होने वैध वीजा पर आए विदेशियों को भारतीय नागरिकों द्वारा अपने घर में शरण देने पर कोई प्रतिबंध लगाया गया था। याचिकाकर्ताओं ने देशव्यापी लाकडाउन के दौरान जमातियों को अपने घर में पनाह देने के लिए उनके खिलाफ दर्ज एफआइआर रद करने की मांग की है। याचिकाकर्ताओं ने प्राथमिकी रद करने की मांग करते हुए कहा है कि लाकडाउन के कारण यात्रा नहीं करने वालों को उन्होंने शरण दी थी। पुलिस ने गलत तरीके से यह मामला दर्ज किया है। लुटियंस दिल्ली इलाके से वाहन चोरी करने वाले एक बदमाश को नई दिल्ली पुलिस ने धर दबोचा। आरोपित की पहचान अजय उर्फ आदेश के तौर पर हुई है। उसके कब्जे से चोरी की स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई है। आरोपित पर पहले से चार मामले दर्ज हैं। डीसीपी अमृता गुगुलोथ के मुताबिक तुगलक लेन स्थित जेजे कैंप निवासी चंदन शाह ने तुगलक रोड थाने में अपनी स्विफ्ट डिजायर कार चोरी होने की शिकायत दी थी। जांच टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर एक संदिग्ध की पहचान की।

पाकिस्तान और श्रीलंका की जगह नेपाल नहीं फंसा ड्रैगन के जाल में

नई दिल्ली ।

नेपाली पीएम शेर बहादुर देउबा पिछले सप्ताह भारत आए थे,तब उन्होंने अनौपचारिक बातचीत में बताया था कि कैसे उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से कह दिया कि हमें लोन की नहीं अनुदान की जरूरत है। देउबा ने कहा था कि हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए चीन से कर्ज की जरूरत नहीं है। तथ्य यह है कि चीन की तमाम कोशिशों के बाद भी बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट के तहत नेपाल ने कोई भी करार नहीं किया और काठमांडू से वांग यी खाली हाथ ही लौट आए। नेपाल के फैसले को दक्षिण एशिया के अन्य देशों के मुकाबले समझदारी भरा ही कहा जाएगा। पाकिस्तान और श्रीलंका में आज जो अस्थिरता और आर्थिक संकट के हालात हैं। उसकी एक वजह चीन को भी माना जा रहा है। पाकिस्तान के ऊपर जो कुल कर्ज है, उसमें 10 फीसदी हिस्सा चीन का ही है। आज इमरान खान चीन के बेहद करीबी हैं, और सेना अमेरिका के सुर में बात करती दिख रही है। नतीजा यह है कि देश में राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति बन गई है। श्रीलंका की स्थिति बेहद विपरीत है, जहां उसके पास पेट्रोल और डीजल खरीदने के लिए विदेशी मुद्रा नहीं है और बत्ती गुल है। महिंदा राजपक्षे की सरकार गहरे संकट के दौर से गुजर रही है। कहा जा रहा है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के लिए उन्होंने चीन से ऊंची ब्याज दर पर जो लोन लिए थे, इसकारण देश की कमर टूट गई है। फिलहाल देश भर में लॉकडाउन की स्थिति है, ताकि लोगों को आंदोलन करने से रोका जा सके ।

दिवंगत पिता के नाम आवंटित बंगले से निकाले जाने पर बोले चिराग पासवान

नई दिल्ली ।

अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान को राष्ट्रीय राजधानी में आवंटित बंगला '12 जनपथ से बेदखल किये गये जाने के बाद लोकसभा सांसद चिराग पासवान ने कहा कि जो चीज सरकारी है, उसके साथ किसी तरीके का मोह रखना गलत है। मुझे मेरा सौभाग्य था कि मुझे इतने समय तक उस घर में रहने का अवसर मिला। उस घर में मेरे पिताजी ने न सिर्फ राजनीतिक जीवन की एक लंबी पारी खेली, बल्कि सामाजिक न्याय की वह जन्म भूमि रही है। उसी घर में पापा ने पार्टी बनाई थी। उसी घर में ऊंची जाति के जो गरीब थे, उनको आरक्षण देने की सोच रखी गई थी। जब लॉकडाउन लगा था और पापा उस घर में तस्वीरें देखते थे कि मजदूर जा रहे हैं, उनको इस बात की चिंता सताती थी कि वह खाना कैसे खाएंगे। चिराग ने कहा कि घर का मुझे कोई दिक्कत नहीं है। आज नहीं तो कल ये घर मुझे खाली करना ही था। जो घर खाली करवाने का तरीका था, मुझे उस तरीके से दिक्कत है। घर खाली करवाते समय मेरे पिताजी की तस्वीरों को फेंका गया। घर के कोने-कोने में जिन महापुरुषों की तस्वीरें लगी थीं, उन्हें जिस तरीके से सड़क पर फेंका गया, मुझे उससे दिक्कत है। मेरे साथ धोखा हुआ है। क्योंकि मैं 29 तारीख की रात में घर को खाली करने के लिए तैयार था। मुझे नहीं पता, क्यों मुझे बुला के वादा किया गया? क्यों केंद्रीय मंत्री के फोन आए? क्यों मुझे रोका गया? यह अलग राजनीतिक चर्चा का विषय है।

दिवंगत अहमद के सुपुत्र फैसल ने ट्वीट ने बढ़ाई कांग्रेस की चिंता, इंतजार करके थक गया हूं

नई दिल्ली ।

गुजरात से आने वाले अहमद पटेल को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी का करीबी और कांग्रेस का संकटमोचक समझा जाता था। लेकिन अब अहमद पटेल के निधन के बाद उनके बेटे फैसल पटेल ही कांग्रेस का संकट बढ़ाते दिख रहे हैं। इसका संकेत उन्होंने ट्वीट कर दिया है। फैसल ने ट्वीट कर लिखा, इंतजार करके थक गया हूं। हाईकमान से प्रोत्साहन नहीं मिल पा रहा है। मैं अपने विकल्पों को खुला रखकर चल रहा हूं। उनके ट्वीट को फैसल पटेल के अगले राजनीतिक कदम से जोड़कर देखा जा रहा है। यहां कहा जाने लगा है, कि गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले वह कांग्रेस छोड़कर किसी और दल का हाथ थाम सकते हैं। फैसल के पिता अहमद पटेल दशकों तक कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का हिस्सा रहे और सोनिया गांधी के करीबी थे। नवंबर 2020 में अहमद का कोरोना के चलते निधन हो गया था। फैसल ने अपने ट्वीट में इसका कोई जिक्र नहीं किया है, कि वह हाईकमान से किस तरह के प्रोत्साहन की उम्मीद कर रहे थे। हालांकि उनके राजनीतिक बैकग्राउंड को देखकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह राजनीति में पदार्पण कर सकते हैं। इतना ही नहीं कांग्रेस की बजाय किसी और राजनीतिक दल के जरिए वह ऐसा कर सकते हैं। प्रोत्साहन न मिलने वाली बातको लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद वह गुजरात में अहम भूमिका की उम्मीद कांग्रेस से कर रहे थे, जो उन्हें नहीं मिल सकी। प्रोत्साहन न मिलने वाली बातको लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद वह गुजरात में अहम भूमिका की उम्मीद कांग्रेस से कर रहे थे, जो उन्हें नहीं मिल सकी। इससे पहले फैसल पटेल ने इसका संकेत दिया था कि गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर भरूच से चुनाव लड़ सकते हैं। पिता के निधन के बाद फैसल पटेल ने कहा था कि मेरी रुचि इस बात में है कि कैसे अहमद पटेल की ओर से शुरू किए सामाजिक कार्यों को वह आगे बढ़ा सकें। पटेल परिवार के दो अस्पताल हैं और एक स्कूल भी है, जिसे वे संचालित करते हैं। फैसल ने कहा था, यदि हाईकमान चाहेगा, तब फिर मैं चुनाव लड़ूंगा। मेरी पसंद भरूच इलाका होगा, जो मेरा इलाका रहा है।% गौरतलब है कि फैसल पटेल की मुलाकात आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल से भी हो चुकी है। उस मीटिंग की काफी चर्चा हुई थी। इसके बाद फैसल के ट्वीट के चलते इस बात के कयास भी लग रहे हैं कि वह भविष्य में आम आदमी पार्टी का हिस्सा हो सकते हैं।

कोवैक्सीन के संबंध में डब्ल्यूएचओं की कार्रवाई का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगाः भारत बायोटेक

हैदराबाद । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संयुक्त राष्ट्र की खरीद एजेंसियों के माध्यम से कोवैक्सीन की आपूर्ति निलंबित करने की घोषणा के बीच भारत बायोटेक के सूत्रों ने कहा कि दवा कंपनी ने संयुक्त राष्ट्र की किसी एजेंसी को कोविड-19 टीके की आपूर्ति नहीं की है और निलंबन का कोई असर महसूस नहीं होगा। दवा कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अब तक कंपनी ने केंद्र सरकार के 'टीका मैत्री कार्यक्रम के तहत मोदी सरकार और नौ देशों को टीकों की आपूर्ति की है, और आपातकालीन उपयोग मंजूरी (ईयूए) के तहत प्रत्यक्ष वाणिज्यिक आपूर्ति की है। कोवैक्सीन को 25 से अधिक देशों से आपातकालीन उपयोग की मंजूरी मिली है। कंपनी के सूत्र ने कहा, ''भारत में आपातकालीन इस्तेमाल के लिए लाइसेंस मिलने के बाद, हमने डब्ल्यूएचओ के साथ आपातकालीन उपयोग के वास्ते सूचीबद्ध (ईयूएल) किए जाने के लिए आवेदन किया और हमें वह भी मिल गया। ईयूएल का इरादा संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और गावी कोवैक्स सुविधा जैसी संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों को टीकों की आपूर्ति करना था। सूत्र ने कहा, ''लेकिन हमें आज तक संयुक्त राष्ट्र की किसी एजेंसी से कोई 'ऑर्डर' नहीं मिला है। इसकारण हमने अभी तक कोई आपूर्ति नहीं की है। हमने केवल भारत सरकार और कुछ अन्य देशों को टीकों की आपूर्ति की है, लेकिन ये सभी आपूर्ति उन देशों से प्राप्त ईयूए पर आधारित थी।'' अंतरराष्ट्रीय टीका गठबंधन 'गावी कोवैक्स' ने भी कोवैक्सीन के लिए कोई 'ऑर्डर' नहीं दिया है। डब्ल्यूएचओ ने अच्छी विनिर्माण प्रथाओं (जीएमपी) में कमियों का हवाला देकर दो अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र की खरीद एजेंसियों के माध्यम से कोवैक्सीन की आपूर्ति को स्थगित करने की पुष्टि की थी।

मैं 'भारत विरोधी' या 'अमेरिका विरोधी' नहीं हूं: इमरान खान

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया कि वह ''भारत विरोधी या अमेरिका विरोधी'' या किसी अन्य देश के खिलाफ नहीं हैं, वह सभी देशों के साथ आपसी सम्मान पर आधारित अच्छे संबंध चाहते हैं। पीएम इमरान खान ने कहा कि नेशनल असेंबली भंग होने के बाद चुनाव की तैयारी करने के बजाय सुप्रीम कोर्ट की ओर देखने की संयुक्त विपक्ष की रणनीति इसका संकेत है, कि वह ''जनता की प्रतिक्रिया से डरता है।'' किसी कथित विदेशी पत्र को लेकर विवाद से जुड़े सवाल के जवाब में खान ने कहा कि वह किसी अन्य देश के खिलाफ नहीं हैं। खान के हवाले से कहा, मैं किसी देश के खिलाफ नहीं हूं।

मैं भारत विरोधी या अमेरिका विरोधी नहीं हूं, लेकिन हम नीतियों के खिलाफ हो सकते हैं। मैं उनसे दोस्ती चाहता हूं और सम्मान की भावना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह उन देशों के खिलाफ हैं, जो अन्य संप्रभु देशों का अनादर करते हैं और केवल आदेश जारी करते हैं। नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष कासिम सूरी ने प्रधानमंत्री खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। उसके बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने खान की सिफारिश पर निचले सदन को भंग कर दिया था। नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष द्वारा अविश्वास पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने और उसके बाद संसद को भंग करने के मामले में सुनवाई सोमवार को एक दिन के लिए स्थगित कर दी। न्यायालय ने इस हाई प्रोफाइल मामले में ''उचित आदेश'' देने की बात कही।

चुनाव में निजी समूहों से चंदा लेने पर रोक लगाने वाले अमेरिकी प्रांतों में शामिल हुआ मिसिसिप्पी

जैक्सन ।

अमेरिका में मिसिसिप्पी अब रिपब्लिकन पार्टी के शासन वाले उन प्रांतों में शामिल हो गया है, जहां चुनावी अभियान के लिए निजी समूहों से चंदा स्वीकार करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह कदम 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में फेसबुक संस्थापक मार्क जुकरबर्ग द्वारा कथित तौर पर चंदा दिए जाने के संदेह के मद्देनजर उठाया गया है। मिसिसिप्पी के गवर्नर टेट रीव्स ने 'हाउस बिल 1365' पर दस्तखत किए, जो एक जुलाई से कानूनी रूप से प्रभावी हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि चुनाव संपन्न कराने वाले प्रांतीय या स्थानीय अधिकारी मतदाताओं को जागरूक करने, उन तक पहुंच बनाने या मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम के लिए किसी भी निजी समूह से न तो चंदा मांग सकेंगे और न ही उसे स्वीकार कर सकेंगे। फेसबुक पर जारी एक वीडियो में रीव्स ने कहा कि वह 2020 के चुनाव को प्रभावित करने की एक बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी की कोशिशों को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्होंने आरोप लगाया चाहे यह कंजरवेटिव नेताओं की आवाज दबाने या फिर उन सूचनाओं के प्रवाह को रोकने की कोशिश थी, जिनसे वे सहमत नहीं हैं, कैलिफोर्निया के प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गज अमेरिकी अवाम पर अपनी विचारधारा थोपने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। रीव्स ने कहा हमारे चुनाव मार्क जुकरबर्ग जैसे

अरबपतियों पर निर्भर नहीं होने चाहिए, खासतौर पर तब जब फेसबुक सरीखी कंपनियां अपने मंच पर कंजरवेटिव आवाजों को व्यवस्थित रूप से दबाने की कोशिशों में जुटी हों।

बुका में रूसी सैनिकों के हटने के बाद सड़कों पर शव पड़े मिले

बुका ।

रूस को वैश्विक स्तर पर निंदा और युद्ध अपराधों के आरोपों का सामना करना पड़ा जब कीव के बाहरी इलाके से रूसी सैनिकों के हटने के बाद वहां सड़कों पर शव पड़े मिले। ये शव आम नागरिकों के प्रतीत होते हैं और इनमें से कुछ को जानबूझकर करीब से गोली मारी गई। खुले में पड़े शव या जल्दबाजी में खोदी गई कब्रों में शवों की तस्वीरें सामने आने के बाद रुस के खिलाफ सख्त प्रतिबंधों की मांग की गई। इसमें रूस से ईंधन आयात में कटौती की मांग भी शामिल है। इस बीच, जर्मनी ने 40 रूसी राजनयिकों को निष्कासित कर लिथुआनिया ने रूसी राजदूत को बाहर कर दिया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार कीव से बाहर निकले ताकि वह बुका नगर की 'भयावहता को खुद की आंखों से देख सकें जिसे उन्होंने ''नरसंहार'' एवं ''युद्ध अपराध'' करार दिया। जेलेंस्की ने कहा, मृत लोगों के शव बेसमेंट आदि में मिले हैं और यह बात सामने आई कि उनका गला घोंटा गया और प्रताड़ित किया गया।'' यूरोपीय नेताओं और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने रक्तपात की निंदा की। इनमें से कुछ ने नरसंहार भी कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को युद्ध अपराधों के मुकदमे का सामना करना चाहिए। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कीव के बाहर के दृश्यों को मंच-प्रबंधित रूस विरोधी उकसावे के रूप में वर्णित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते रूसी सैनिकों के जाने के एक दिन बाद बुका के महापौर ने अत्याचारों का कोई जिक्र नहीं किया,।

यूएनएससी में रूस अपने 'वीटो' का इस्तेमाल करता रहेगा : अमेरिका

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि यूक्रेन पर आक्रमण से संबंधित मुद्दों पर रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अपने 'वीटो' का इस्तेमाल करना आगे भी जारी रखेगा। सुलिवन ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा चूंकि, रूस यूएनएससी का स्थाई सदस्य है, इसलिए यह कल्पना करना कठिन होगा कि वह किसी भी कार्रवाई को रोकने के लिए अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल करने की कोशिश नहीं करेगा। यूक्रेन में अत्याचारों के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की कोशिश के दौरान यूएनएससी के समक्ष पेश होने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा जहां तक जवाबदेह ठहराने का सवाल है, अतीत में भी इसके रचनात्मक समाधान निकाले गए हैं। हालांकि, मैं यह अनुमान नहीं लगाने जा रहा हूं कि यहां कौन-सा समाधान काम करेगा या कौन-सा मंच इस मुद्दे को उठाने के लिए सही है। सुलिवन ने जोर दिया कि इन युद्ध अपराधों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए अपराधों के लिए उसकी जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अमेरिका दुनिया के साथ मिलकर काम करेगा।

उन्होंने कहा हम पहले ही इस निष्कर्ष पर पहुंच चुके हैं कि रूस ने यूक्रेन में युद्ध अपराधों को अंजाम दिया है और बुशा में सामने आया मंजर उसी का सबूत है। जैसा कि राष्ट्रपति (जो बाइडन) ने कहा है, हम इन अपराधों की पूरी जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए दुनिया के साथ मिलकर काम करेंगे। अमेरिकी प्रशासन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर के लिए अपने यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर उस पर और प्रतिबंधों लगाने को लेकर भी काम कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

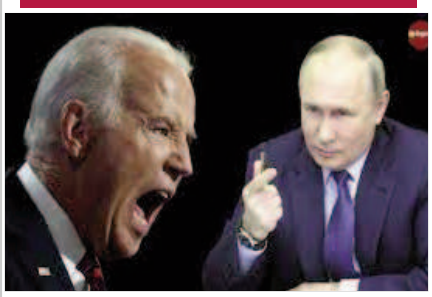

रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने 'वीटो' का इस्तेमाल करना आगे भी जारी रखेगा

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि यूक्रेन पर आक्रमण से संबंधित मुद्दों पर रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अपने 'वीटो' का इस्तेमाल करना आगे भी जारी रखेगा। सुलिवन ने कहा, चूंकि, रूस यूएनएससी का स्थायी सदस्य है, इसकारण यह कल्पना करना कठिन होगा कि वह किसी भी कार्रवाई को रोकने के लिए अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल करने की कोशिश नहीं करेगा। यूक्रेन में अत्याचारों के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की कोशिश के दौरान यूएनएससी के समक्ष पेश होने वाली चुनौतियों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, ''जहां तक जवाबदेह ठहराने का सवाल है, अतीत में भी इसके रचनात्मक समाधान निकाले गए हैं। हालांकि, मैं यह अनुमान नहीं लगाने जा रहा हूं कि यहां कौन-सा समाधान काम करेगा या कौन-सा मंच इस मुद्दे को उठाने के लिए सही है।'' सुलिवन ने जोर दिया कि इन युद्ध अपराधों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए अपराधों के लिए उसकी जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अमेरिका दुनिया के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा, ''हम पहले ही इस निष्कर्ष पर पहुंच चुके हैं कि रूस ने यूक्रेन में युद्ध अपराधों को अंजाम दिया है और बुशा में सामने आया मंजर उसी का सबूत है। जैसा कि राष्ट्रपति (जो बाइडन) ने कहा है, हम इन अपराधों की पूरी जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए दुनिया के साथ मिलकर काम करेंगे।'' अमेरिकी प्रशासन पुतिन और रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए अपने यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर उस पर और प्रतिबंधों लगाने को लेकर भी काम कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन एक 'युद्ध अपराधी' हैं।

अमेरिका मानवाधिकार निकाय से रूस का निलंबन चाहता

बुखारेस्ट । संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष मानवाधिकार निकाय से रूस का निलंबन चाहता है, क्योंकि रूसी सेना ने यूक्रेन में युद्ध अपराध किए हैं। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कीव के पास बुका शहर में आम लोगों के खिलाफ हिंसा के बारे में सप्ताहांत आई खबर के मद्देनजर मानवाधिकार परिषद में रूस से उसकी सीट छीनने का आह्वान किया। आम लोगों के खिलाफ हिंसा की खबरें सामने आने के बाद रूस के प्रति काफी आक्रोश काफी बढ़ा है, उसकी निंदा की जा रही है। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा, हम मानते हैं कि रूसी सेना के सदस्यों ने यूक्रेन में युद्ध अपराध किया है और हम मानते हैं कि रूस को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।'' यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि कीव के आसपास के शहरों में आम लोगों के 410 शव मिले हैं जिन्हें हाल के दिनों में रूसी सेना से फिर से हासिल किया गया है। अमेरिकी अधिकारी ने मानवाधिकार परिषद में रूस की भागीदारी को एक ''ढोंग'' करार दिया और कहा कि यह निकाय की विश्वसनीयता को आहत करता है। रूस को निलंबित करने के किसी भी निर्णय के लिए न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के निर्णय की आवश्यकता होगी।

मॉस्को आने की सजा भुगत रहे पाकिस्तानी पीएम इमरान खान - रुस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जारी राजनीतिक उठापटक के बीच रूस की भी एंट्री हो चुकी है। रूस ने इमरान के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा है कि अमेरिका पाकिस्तान की राजनीति में हस्तक्षेप कर रहा है। रूस ने कहा है कि अमेरिका इमरान को मास्को दौरा करने की सजा दे रहा है। रअसल पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने आरोप लगाया था कि वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उनकी सरकार को गिराने की %विदेशी साजिश में शामिल थे। इस लेकर रूस ने बयान दिया है। रूस ने कहा है कि पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में अमेरिका ने ÷बेशर्मी से हस्तक्षेप करने का प्रयास÷ किया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका ने ÷अवज्ञाकारी÷ इमरान खान को दंडित करने की मांग की है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस को पता चला है कि राष्ट्रपति डॉ आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री की सलाह पर 3 अप्रैल को नेशनल असेंबली को भंग कर दिया। उन्होंने कहा, इस साल 23-24 फरवरी को इमरान की मास्को की कामकाजी यात्रा की घोषणा के तुरंत बाद, अमेरिकियों और उनके पश्चिमी सहयोगियों ने प्रधानमंत्री पर कठोर दबाव डालना शुरू कर दिया था, यात्रा को रद्द करने के लिए एक अल्टीमेटम दिया भी दिया था।÷ रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, इसके बावजूद वे हमारे यहां आए, तब [लू] ने वाशिंगटन में पाकिस्तानी राजदूत को बुलाकर मांग की कि यात्रा तुरंत बाधित हो। उनकी (लू) मांग को भी खारिज कर दिया गया।÷जखारोवा ने कहा, पाकिस्तानी मीडिया की खबरों के मुताबिक इसी साल 7 मार्च को पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद के साथ बातचीत में, की घटनाओं पर पाकिस्तानी नेतृत्व की संतुलित प्रतिक्रिया की तीखी निंदा की और स्पष्ट किया ।

पेंटागन बोला- पिछले एक दशक में भारत ने अपने रक्षा उपकरण में जो विविधता लाई उसे लेकर हम उत्साहित

वॉशिंगटन । भारत के साथ अपने संबंधों को लेकर अमेरिकी रक्षा प्रतिष्ठान पेंटागन ने कहा है कि भारत द्वारा सैन्य और रक्षा उपकरणों की खरीद में विविधता लाने से उनका देश उत्साहित है। इसके साथ ही पेंटागन ने नई दिल्ली के रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के निर्णय पर चिंता जताई। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया, इस खरीद पर हमारे भारतीय साझेदारों के साथ हमारा स्पष्ट रुवैया है। हम आग्रह करते हैं कि अन्य देश रूस के उपकरण न खरीदें। किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा, पिछले एक दशक में भारत ने अपने रक्षा उपकरण में जैसी विविधता लाई है उसे लेकर हम उत्साहित हैं। इसलिए हम भारत की जरूरतों के हिसाब से बातचीत जारी रखेंगे। भारत के फैसले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा 'खास तौर पर इस खरीद को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में हमने भारत के साफ तौर पर बता दिया है।' अक्टूबर 2018 में भारत ने एस-400 हवाई रक्षा मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए रूस के साथ पांच अरब डॉलर के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

चीन में बेकाबू हुआ कोरोना, 24 घंटों में सामने आए 16 412 नए मरीज, सेना ने संभाला मोर्चा

बीजिंग ।

चीन में कोरोना वायरस का कोहराम जारी है। देश में कोविड-19 के 16 हजार 412 नए मरीज मिले हैं। खबर है कि साल 2020 में कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। चीन कई शहरों और खासतौर से शंघाई के हाल ज्यादा खराब हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पहले ही कई देशों में बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर चिंता जाहिर कर चुका है। चीन के 27 से ज्यादा प्रांतों और शहरों में कोविड के नए मरीज मिल रहे हैं। इनमें से अधिकांश कोरोना के तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित हैं। इसके चलते अधिकारियों को क्षेत्रों में कड़ी पाबंदियां लागू करनी पड़ रही हैं। वहीं, कोरोना के खिलाफ जंग में देश की सेना ने भी मोर्चा संभाल लिया है। शंघाई में हालात ज्यादा खराब नजर आ रहे हैं। यहां 2 करोड़ से ज्यादा रहवासियों की कोविड जांच के लिए लॉकडाउन को बढ़ाया गया है। शहर में 28 मार्च को दो चरणों के लॉकडाउन की शुरुआत हो गई थी। फिलहाल, अधिकारियों ने इस बात की जानकारी नहीं दी है कि ये पाबंदियां कब हटेंगी। इसके अलावा यहां बगैर लक्षणों वाले मरीज भी चिंता का कारण बने हुए हैं। सोमवार को शहर में 8 हजार 581 एसिम्प्टोमैटिक मामले सामने आए। जबकि, सिम्प्टोमैटिक मामलों की संख्या 425 थी। इधर, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने सेना, नौसेना और लॉजिस्टिक सपोर्ट से 2000 हजार से ज्यादा कर्मियों को रवाना किया है। शहर में पहले ही 38 हजार स्वास्थ्यकर्मी मौजूद हैं। माना जा रहा है कि वुहान के बाद सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह चीन की सबसे बड़ी कवायद है। साल 2019 में वुहान में पहली बार नोवल कोरोना वायरस मिला था। खबर है कि कोविड मरीज से मिले सैंपल में ओमिक्रॉन वेरिएंट का सबटाइप मिला है। हालांकि, नया आइट्रेशन ओमिक्रॉन की बीए.1.1 ब्रांच से विकसित हुआ है ।

श्रीलंका के विपक्ष नेता की पीएम मोदी से अपील, हमें इस संकट से बच लीजिए

कोलंबो ।

इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा श्रीलंका मदद के लिए भारत के सामने हाथ फैला रहा है। बता दें कि, श्रीलंका में विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा ने प्रधानमंत्री मोदी से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने पीएम मोदी से आग्रह करते हुए कहा कि, देश के इस संकट के समय में भारत श्रीलंका का साथ दें। रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका के विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने पीएम मोदी से आग्रह करते हुए कहा कि, कृपया कोशिश करें और श्रीलंका की यथासंभव मदद करें। यह हमारी मातृभूमि है, हमें अपनी मातृभूमि को बचाने की जरूरत है प्रेमदासा ने विश्वसनीय माध्यम के हवाले से प्रधानमंत्री मोदी को यह संदेश पहुंचाया है। बता दें कि, प्रेमदासा ने श्रीलंका के 26 मंत्रियों द्वारा दिए इस्तीफे को ड्रामा बताया है। उन्होंने कहा कि, मैं आपको बता सकता हूं, मैं खुद और हम सभी तब से तैयार हैं जब से हमने समाज सेवा और राजनीतिक सेवा में प्रवेश किया है। हम किसी भी घटना के लिए तैयार हैं । उन्होंने कहा कि जनता को बेवकूफ बनाने के लिए यह ड्रामा किया जा रहा है। ये लोगों को राहत देने की दिशा में कोई वास्तविक प्रयास नहीं है। ये बस उन्हें बेवकूफ बनाने की कवायद है। श्रीलंका के सेंट्रल बैंक के गवर्नर अजित निवर्ड कैबराल ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने ट्वीट किया कि सभी कैबिनेट मंत्रियों के इस्तीफा देने के संदर्भ में मैंने मंगलवार को राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को गवर्नर, सेंट्रल बैंक के ऑफ श्रीलंका के रूप में अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इसी बीच श्रीलंका के विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुजारिश की है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति राजपक्षे ने देश को इस राष्ट्रीय संकट से निकालने के लिए समाधान ढूढ़ने के लिए देश के सभी राजनीतिक दलों को मंत्रालय में शामिल होने के लिए कहा है और एक सामूहिक सरकार बनाने की अपील की है। भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में लोगों के गुस्से को शांत करने की सरकार की कोशिशों के बीच नए मंत्रिमंडल को जल्द ही शपथ दिलाई जा सकती है। बता दें कि, श्रीलंका इनदिनों अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है। हालात इतने खराब है कि, अब स्ट्रीट लाइन जलाने तक के पैसे नहीं बचे हैं। मंहगाई आसमान की छलांग लगाई है और इसके बाद में लोगों के लिए पेट भरना मुश्किल हो गया है। लोगों में सरकार को लेकर गुस्सा बहुत ज्यादा है ।

इमरान की विदेशी साजिश वाली थ्योरी पर सेना को भी भरोसा नहीं, सबूतों को नहीं माना पुख्ता

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार भंग हो चुकी है। हालांकि, इमरान खान विदेशी साजिश होने की बात कहकर अविश्वास प्रस्ताव खारिज कराने में सफल रहे, लेकिन उनके इस दावे पर विपक्ष के साथ-साथ अब सेना ने भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पाकिस्तान की सेना को इमरान की विदेशी साजिश वाली थ्योरी पर भरोसा नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 27 मार्च को हुई राष्ट्रीय सुरक्षा कमेटी की बैठक में सैन्य नेतृत्व ने इमरान खान के दावों के विपरीत कहा कि उनके पास ऐसा कोई सबूत नहीं है, जो यह साबित कर सके कि पीटीआई सरकार को हटाने की साजिश में अमेरिका शामिल था। 27 मार्च को, प्रधानमंत्री इमरान खान की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा कमेटी (एनएससी) ने राजनयिक केबल पर चर्चा के लिए बैठक की थी। इस बैठक में पीटीआई सरकार ने दावा किया था कि उनके पास सबूत है कि पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन के लिए अमेरिका ने साजिश रची है। बैठक के बाद एनएससी ने बयान जारी कर इस मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि यह पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है। इसके बाद एनएससी ने अमेरिका को डेमार्श जारी करने का फैसला किया है। दरअसल, पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में जब विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होनी थी और माना जा रहा था कि इमरान सरकार गिर जाएगी, तब इमरान सरकार की तरफ से सदन को बताया गया कि सरकार गिराने की विदेशी साजिशें हो रही हैं। इस आधार पर ही डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी ने इमरान खान सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने का फैसला किया।

भारतीय मूल के कैंसर सर्जन डॉ पी रघु राम को ब्रिटेन का दूसरा सर्वोच्च सम्मान

लंदन।

हैदराबाद के डॉ पी रघु राम को ब्रिटेन के दूसरे सबसे बड़े सम्मान मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ ब्रिटिश एम्पायर हासिल हुआ। पिछले 100 सालों में ब्रिटेन साम्राज्य के इस सर्वोच्च सम्मान को हासिल करने वाले वह पहले भारतीय मूल के सबसे युवा सर्जन है। महारानी एलिजाबेथ की तरफ से प्रिंस चार्ल्स, वेल्स के राजकुमार ने डॉ पी रघु राम को लंदन के विंडसर महल में यह सम्मान प्रदान किया। नाइटहुड-डेमेहुड के बाद ब्रिटेन साम्राज्य का यह दूसरा सबसे बड़ा सम्मान है। रिपोर्ट के मुताबिक डॉ रघु राम स्तन संबंधी बीमारियों के लिये बनाए गये किम्स-उषालक्ष्मी केंद्र के निदेशक और ऊषा लक्ष्मी स्तन कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक सीईओ हैं। उन्हें यह सम्मान स्तन कैंसर के उपचार में सुधार को लेकर किए गए उल्लेखनीय कार्य सर्जरी से जुड़ी शिक्षा को लेकर भारत और ब्रिटेन के रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए दिया गया। डॉक्टर ने अपने इस सम्मान को अपने परिवार, मरीजों और किम्स को समर्पित किया। इसके साथ ही उन्होंने खुद को इस सम्मान से नवाजने के लिए महारानी को भी शुक्रिया अदा किया। यही नहीं डॉ रघु राम 2015 में पदमश्री और 2016 में डॉ बीसी रॉय राष्ट्रीय अवार्ड हासिल करने वाले भी सबसे युवा डॉक्टर में से एक हैं। उन्होंने दक्षिण एशिया का पहला व्यापक स्तन कैंसर से जुडे केंद्र की स्थापना की है। जिससे इस बीमारी को लेकर लोगों में जागरुकता फैल सके। यही नहीं दी असोसियेशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन ऑफ इंडिया के गठन में भी उनका अहम योगदान है। यह वह मंच है, जहां पर स्तन सर्जरी की कला और विज्ञान को जानने वाले सर्जन एक साथ होते हैं। डॉ पी रघु राम से पहले ओबीई सम्मान हासिल करने वालों में अभिनेता ओम पुरी, फुटबॉल खिलाड़ी डेविड बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम, क्रिकेटर बेन स्टोक्स, लेखक जेके राउलिंग और अभिनेत्री कियारा नाइटली शामिल हैं।

सुविचार

बीते हुए कल से सीखे, आज के लिए जिए और आने वाले कल के लिए उम्मीद रखे। - अल्बर्ट आइस्टीन

संपादकीय

चीन में बढ़ा संक्रमण

अभी कोरोना पीछा छोड़ने को तैयार नहीं है। दुनिया के ज्यादातर इलाकों में संक्रमण में कमी आई है, पर संपूर्ण राहत से हम अभी काफी दूर हैं। विडंबना देखिए, जब भारत में कुल 12,575 सक्रिय मामले हैं, तब चीन में प्रतिदिन 13,000 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। चीन में संक्रमण न जाने किस ऊंचाई पर पहुंचने को बेताब है, मगर तारीफ करनी होगी कि उसने पूरी कड़ाई से इसके फैलाव को बहुत हद तक रोक रखा है। चीन में जो फैला है, वह एक नए प्रकार का ओमीक्रोन है, जबकि ऐसा लगता है कि भारत संक्रमण के शिकंजे से निकल आया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा है कि सोमवार को दैनिक नए संक्रमणों की संख्या 715 दिनों के बाद 1,000 अंक से नीचे आई है। साथ ही, 714 दिनों के अंतराल के बाद सक्रिय मामलों की संख्या 13,000 अंक से नीचे आई है। भारत में बीमारी से उबरने वालों की संख्या 4,24,95,089 से ज्यादा हो गई है। चीन जैसी अत्यधिक कड़ाई न करने के बावजूद दो साल बाद भारत राहत की सांस ले रहा है। मौजूदा संक्रमण की लहर और लगे कड़े प्रतिबंधों के बीच चीनी नागरिकों के धैर्य की परीक्षा हो रही है। ध्यान रहे, यह ऐसा समय है, जब दुनिया का अधिकांश हिस्सा फिर से खुल गया है, पर चीन के अनेक शहरों में आंशिक या संपूर्ण लॉकडाउन की स्थिति है। चीन लॉकडाउन में ढील देकर पश्चिमी देशों की तरह कोताही नहीं करना चाहता है। वहां काम भी बाधित हुआ है और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, यह अच्छी बात है कि मौतों की संख्या नियंत्रित है। चीन के लगभग 70 प्रतिशत मामले अकेले शंघाई शहर में हैं, लगभग ढाई करोड़ लोगों की आनन-फानन में जांच की गई है। चीनी सरकार की कोशिश है कि संक्रमण पर जल्द से जल्द काबू किया जाए। अकेले शंघाई में 8,000 से ज्यादा संक्रमित हैं, चीन रोकथाम के लिए अपने नागरिकों की युद्ध स्तर पर कोरोना जांच कर रहा है। एक अनुमान के अनुसार, शंघाई में ही ढाई करोड़ से ज्यादा लोग क्वारंटीन हैं। सान्या शहर में कोविड के प्रसार को रोकने के लिए सभी परिवहन माध्यमों को निलंबित कर दिया गया है। शुरू में सिर्फ चार दिनों तक लॉकडाउन चलने की योजना थी, लेकिन इसका समय निरंतर बढ़ रहा है। ताजा भोजन की कमी होने लगी है। चीनी अधिकारी इसलिए भी सख्ती बरत रहे हैं, क्योंकि चीन ने लंबे समय तक शून्य कोविड रणनीति का सफल प्रयोग किया था। किसी समय चीन दुनिया के पीड़ित देशों को नसीहत देता था। कुछ देशों में संक्रमण का चीन ने मखौल भी बनाया था। सुरक्षित व स्वस्थ चीन के कई वीडियो दुनिया भर में प्रसारित-प्रचारित किए गए थे। चीन को आदर्श माना जाता था कि उसने अपने यहां कोविड को फैलने नहीं दिया, पर ताजा संक्रमणों ने चीन के दामन पर दाग लगा दिए हैं। हम कैसे भूल जाएं, चीन ही वह देश है, जहां 2019 के अंत में वुहान में पहली बार कोरोना वायरस का पता चला था। हालांकि, दुनिया जान नहीं पाई है कि कोरोना कैसे, कहां पनपा, क्योंकि चीन ने एक अलग ही दुनिया में होने का एहसास दिलाया। गत मार्च तक उसने स्थानीय लॉकडाउन, सामूहिक परीक्षण और यात्रा प्रतिबंधों के साथ दैनिक मामलों को सफलतापूर्वक तिहरे अंकों तक नीचे रखा था। लेकिन संक्रमण के चलते जब शंघाई की सड़कें सूनी पड़ी हैं, तब भारत को सावधान रहते चीन के अनुभव से भी सीखना चाहिए।

वासना की भूमि पर राष्ट्रवाद नही पनप सकता

हमारे देश में औरतें,लड़कियां, बच्चियां जितना बलात्कार का शिकार होती हैं उससे कहीं ज्यादा सेक्स रैकेट के जाल में फंस कर अपना जीवन बर्बाद कर लेती है? मजबूरी रुपयों की होती है ,घर चलाने की होती है, या नौकरी पाने की होती है।

इन सब के जड़ में रुपया होता है। इसी मजबूरी का फायदा वैसे लोग उठाते हैं जो अनैतिक तरीके से रुपया कमाने में विश्वास करते हैं ? दिन दूनी रात चौगुनी कर अपने आप को रईसजादा बना लेते हैं? एक की मजबूरी दूसरे का फायदा बन जाती है और अनैतिक तरीके से रुपए कमाने का माध्यम बन जाता है।

आए दिन छोटे और बड़े स्तर पर सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ होता है, बहुत सारी लड़कियां पकड़ी जाती है।

कुछ लड़कियां सिनेमा जगत की पकड़ी जाती है ,कुछ टीवी जगत की पकड़ी जाती हैं, कुछ कॉलेजों की पकड़ी जाती है ।सभी लड़कियों की मजबूरी रुपया होती है। इसी मजबूरी को लोग पैसा कमाने का माध्यम बना लेते हैं। उन लड़कियों को देह के धंधे में धकेल देते हैं उनका जीवन बर्बाद कर देते हैं।

हमारे देश में आए दिन सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ होता रहता है ?

कुछ सेक्स रैकेट बड़े स्तर के होते हैं और कुछ छोटे स्तर के होते हैं ,और कई नामचीन लोग इस सेक्स रैकेट के संचालक होते हैं। सेक्स रैकेट चाहे बड़ा हो या छोटा किसी ने किसी नेता, जनप्रतिनिधि का नाम , किसी बड़े अधिकारी के बच्चों का नाम तो अवश्य ही सेक्स रैकेट में होता है ।चाहे बिहार का ब्रजेश पांडे सेक्स रैकेट हो या 2021 में मध्यप्रदेश के सीहोर का सेक्स रैकेट हो या अन्य सबमें किसी न किसी नेता का नाम तो अवश्य होता है।

बिहार का ब्रजेश पांडे सेक्स रैकेट ने तो बिहार की राजनीति में खलबली मचा दी थी, क्योंकि बृजेश पांडे कांग्रेस के उपाध्यक्ष पद पर थे और इस सेक्स रैकेट का खुलासा नामचीन अधिकारी के बेटे की गलती से हुआ अन्यथा सेक्स रैकेट का फंडाफोड़ नहीं नहीं हो पाता।

कहते हैं ना कि महिला ही महिला की दुश्मन होती है और इसी को सिद्ध करती हुई कई सेक्स रैकेट की संचालिका राजनीति से जुड़ी महिला भी होती है। जिसमें सवाई माधोपुर की सेक्स रैकेट को लिया जा सकता है जिसमें बीजेपी और कांग्रेस महिला नेता मिलकर सेक्स रैकेट चलाती थी। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले का सेक्स रैकेट भी भुलाया नहीं जा सकता है इसमें शिवसेना नेता अनुपमा तिवारी संचालिका थी , जो अपने आपको समाजसेवी, पत्रकार, योगाचार्य बताती थी, जिनके घर पर पुलिस के रेट पढ़ने पर 3 लड़के और 4 लड़कियां तथा नशीली दवाएं पकड़ी गई थी,एक अन्य महिला संचालिका भी पकड़ी गई थी ।अनुपमा तिवारी घर घर जाकर औरतों को समाज सेवा के लिए उकसाती थी और मौका देखकर सेक्स रैकेट में इस्तेमाल करती थी।

कर्नाटक में एसडीपीआई नेता शफीर सेक्स रैकेट का भी जिक्र किया जा सकता है, जिसने राजनीति परिचर्चा में उछाला दी थी।

2018 में मध्य प्रदेश में बीजेपी के अनुसूचित जाति मोर्चा के मीडिया प्रभारी नीरज शाक्या सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ था, जो यह धंधा आईलाइन चलाते थे, इसमें वह ऐसी लड़कियों को मोहरा बनाते थे, जो नौकरी के लिए इंटरनेट पर आवेदन डाल कर रखती थी ,उन्हें नौकरी का झासा देकर बहला-फुसलाकर सेक्स रैकेट का हिस्सा बना देते थे।

उसी तरह ग्वालियर की सम्राट गेस्ट हाउस सेक्स रैकेट की घटना का भी जिक्र किया जा सकता है, जिसमें बीजेपी नेता बृजेश तोमर का नाम आया था,जो मुरैना में अंबीहा जनपद पंचायत सदस्य थे। इसने सम्राट गेस्ट हाउस को सत्तर हजार महीने किराया पर लिया था और सेक्स रैकेट का धंधा चलाते थे ।

जितने भी मैंने सेक्स रैकेट के उदाहरण दिए उन सब में किसी न किसी नेता का नाम अवश्य है ।चाहे वह नेता कांग्रेस का हो या बीजेपी का हो। यह चंद घटनाएं तो उदाहरण मात्र इसके अलावा देश भर में कितने सेक्स रैकेट चलते होंगे इसकी गिनती नहीं है। उजागर होने पर समाचारों में आती है वरना यह दबी हुई फलती फूलती रहती है, ?

नेताओं के साथ-साथ मनोरंजन जगत के लोगों का भी नाम इस सेक्स रैकेट में आता है, साथ ही बड़े बड़े अधिकारी एवं नेताओं के बिगड़े हुए बच्चों का नाम भी इन सेक्स रैकेट में आता है। यह कितनी बड़ी विकृति हमारे देश के लिए है यह सोचने मात्र से सर भारी हो जाता है, परंतु हमारे देश के नेतागण इस बात से अनभिज्ञ बने हुए रहते हैं ,क्योंकि कमाई का कुछ प्रतिशत हिस्सा इन तक भी पहुंचता है और पुलिस भी इन लोगों के जेब में होती है। अपराधियों की गिरफ्तारी तभी होती हैं जब या कानून का प्रेशर इन पर पड़ता है।

आखिर क्यों सेक्स रैकेट के संचालकों में नेताओं का नाम आता है ,अगर ऐसा है तो देश की राजनीति में राष्ट्रवाद की उम्मीद कैसे की जा सकती है ?ऐसे ही नेतागण देश की बहू बेटियों को बेच कर अमीर बनते हैं?

हद तो तब होती है जब सेक्स रैकेट का हिस्सा महिला नेता होती है कहते हैं ना औरतें ही औरतों की दुश्मन होती हैं और इन सेक्स रैकेट में यही बात सिद्ध होती है ज्यादातर महिलाएं ही संचालिका होती है या किसी नेता के इशारों पर इस तरह के कुकृत्य को करती हैं। समझ नहीं आता कि ऐसे लोग राजनीतिक में कैसे फलते फूलते हैं। किसी पार्टी का सदस्य बन कैसे जाते हैं ?

इन लोगों के द्वारा राजनीतिक पार्टी की छवि तो खराब होती ही है, साथ ही पार्टी एवं देश में भ्रष्टाचार का व्यापार भी चलता है।

यह लोग देश में भ्रष्टाचार फैला कर लोकतंत्र को बर्बाद कर रहे हैं, लोकतंत्र के लिए खतरा बने हुए हैं ?ऐसे नेता को देश का नागरिक न कहकर उन्हें देशद्रोही कहा जाए तो भी उचित ही होगा। जैसे ही किसी राजनीति से जुड़े लोगों का नाम सेक्स रैकेट में पकड़े जाए वैसे ही इन्हें देशद्रोही घोषित कर देना चाहिए ताकि देश को गंदा ना करें।

देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एवं देश में खुशहाली लाने के लिए राष्ट्रवाद की आवश्यकता है राष्ट्रवादी लोगों की आवश्यकता है ना कि, राजनीति से जुड़कर राष्ट्रवाद के आड़ में अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों की आवश्यकता है ।वासना की भूमि पर कभी भी राष्ट्रवाद नहीं पनप सकता। इसलिए राजनीति से इस कुकृत्य का समाप्त होना जरूरी है साथ ही वैसे नेताओं को भी पवेलियन का रास्ता दिखाना जरूरी है जो अय्याशी के लिए अपने राजनीति पद का इस्तेमाल कर रहे है, मासूम लड़कियों को अपना शिकार बनाते हैं।

लेखक -चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

मोदी के प्रभाव से आगे बढ़ती भाजपा

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

हाल ही में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव से ही आगे बढ़ रही है। चुनावी नतीजों से पता चलता है कि भाजपा में आज भी किसी भी क्षेत्रीय नेता का कद इतना बड़ा नहीं है कि वह अपने बूते पार्टी को जीता कर भाजपा की सरकार बनवा सके। उत्तर प्रदेश में कई दशकों बाद लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर बहुत से लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चमत्कार बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के प्रभाव के चलते ही उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 39 वर्षों बाद किसी पार्टी की लगातार दूसरी बार सरकार बन पाई है। मगर ऐसा सोचने वाले लोग सही तरीके से राजनीति का विश्लेषण नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर जैसे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पूर्व पंजाब को छोड़कर चारों प्रांतों में भाजपा की सरकार थी। लगातार पांच साल सत्ता में रहने के कारण भाजपा को सत्ता विरोधी लहर से नुकसान होने के कयास लगाए जा रहे थे। ऐसे में सभी प्रदेशों में फिर से एक बार सरकार बनाना भाजपा के समक्ष एक बड़ी चुनौती थी। उत्तर प्रदेश को लेकर तो सभी राजनीतिक समीक्षको का मानना था कि इस चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से दूर रहेगी। अधिकांश विश्लेषकों व पत्रकारों का भी मानना था कि वहां पर अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी गठबंधन की सरकार बनेगी। ऐसा होता दिख भी रहा था क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ ब्राह्मण समाज में खासी नाराजगी व्याप्त हो रही थी। किसान आंदोलन के चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट मतदाता भी भाजपा से बहुत नाराज हो रहे थे। किसान आंदोलन का मुख्य केंद्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश होने के कारण नरेश टिकैत जैसे किसान नेता जाटों को लगातार भाजपा के खिलाफ भड़का रहे थे। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी संवैधानिक पद पर होने के उपरान्त भी लगातार भाजपा पर हमलावर हो रहे थे। जिससे भाजपा बचाव की मुद्रा में थी। विरोधी दलों के नेताओं द्वारा योगी पर जातिवाद करने का आरोप लगाने के कारण योगी की छवि भी खराब हो रही थी। यदि उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े राज्य में भाजपा की हार हो जाती तो उसका असर आगे कई प्रदेशों के विधानसभा चुनाव व 2024 के लोकसभा चुनाव में भी निश्चय ही पड़ता। परिस्थितियों को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता विरोधी लहर को समाप्त करने के लिए खुद मैदान में उतरे और पूरे चुनाव की कमान अपने हाथ में ले ली। मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह पूरी तरह से सक्रिय हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां सभी चुनावी राज्यों में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां की वही अमित शाह ग्राउंड लेवल पर पार्टी को एकजुट करने में लग गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई गांव में तो मतदाताओं की नाराजगी दूर करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने घर घर जाकर वोट मांगकर पार्टी प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी वह गृह मंत्री अमित शाह की मेहनत रंग लाने लगी व पार्टी से नाराज मतदाता धीरे-धीरे फिर से भाजपा खेमे में नजर आने लगे थे। चुनावी नतीजे आने पर भाजपा एक बार फिर अपने चारों प्रदेशों में सरकार बनाने में सफल रही। हालांकि उत्तराखंड में भाजपा के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनाव हार गए थे। मगर भाजपा वहां फिर से बहुमत में आ गई। पूर्वोत्तर के मणिपुर जैसे प्रदेश में भी पहली बार भाजपा ने 32 सीटें जीतकर अपने दम पर सरकार बना ली। गोवा में भी पार्टी ने पहली बार सबसे अधिक 20 सीटें जीती और आराम से अपनी सरकार बना ली। भाजपा ने चारों ही प्रदेशों में अपने मुख्यमंत्रियों को बरकरार रखा। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के खटीमा से चुनाव हार जाने के बाद भी उन्हीं को मुख्यमंत्री बनाया गया। क्योंकि पार्टी का मानना था कि कम समय में ही मुख्यमंत्री धामी ने पार्टी की गुटबाजी को दूर कर पूरी एकजुटता से चुनाव लड़ा था। जिसके फलस्वरूप लगातार दूसरी बार भाजपा उत्तराखंड में सरकार बनाने में सफल रही। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुष्कर सिंह धामी जैसे युवा चेहरों को आगे बढ़ाना चाहतें हैं। उत्तर प्रदेश में भी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को चुनाव हार जाने के बावजूद दूसरी बार उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। हालांकि मौर्य अभी विधान परिषद के सदस्य हैं। मणिपुर में भाजपा को पहली बार पूरा बहुमत दिलाने पर मुख्यमंत्री एन वीरेंद्र सिंह को इनाम स्वरूप दूसरी बार मुख्यमंत्री बनाया गया। वहीं गोवा में भी युवा मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को ही दूसरी बार बार कमान सौंपी गई। हालांकि अपनी विधानसभा सीट पर प्रमोद सावंत महज 666 वोटो से ही चुनाव जीत पाए थे। मगर उन्होंने चुनाव के दौरान पूरी मेहनत की थी। जिसका फल उन्हें दूसरी बार मुख्यमंत्री बना कर दिया गया। भारतीय जनता पार्टी लगातार चुनाव दर चुनाव जीतती जा रही है। पिछले 8 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र में भाजपा की सरकार चला रहे हैं। सदस्यता के मामले में भी भाजपा देश की सबसे अधिक सदस्यों वाली पार्टी बन चुकी है। इतना सब कुछ होने के बाद भी भाजपा में आज भी प्रादेशिक क्षत्रपों की कमी है। आज भी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द गिर्द परिक्रमा करती नजर आ रही है। कोई भी चुनाव हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह को उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है जितनी 2014 के लोकसभा चुनाव में की थी। मोदी व शाह के अलावा भाजपा में ऐसे प्रभावशाली नेताओं की कमी है जो जनता में लोकप्रिय हों। कहने को तो भाजपा में बहुत से केंद्रीय मंत्री, प्रदेशों के मुख्यमंत्री व संगठन से जुड़े बड़े नेता हैं। मगर शायद ही कोई ऐसा नेता हो जो इस बात का दावा कर सके कि वह अपने बूते चुनाव जिता सकता है। भारतीय जनता पार्टी में काम करने वाले प्रादेशिक नेताओं को धरातल पर काम करना चाहिए ताकि जनता में उनकी पैठ बने। जिससे वो मतदाताओं को आकर्षित कर सकें। भाजपा में आज भी बहुत से हवाई नेता बड़े पदों पर काम कर रहे हैं। पार्टी विद डिफरेंस की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर भी ग्लैमर हावी हो चुका है। कभी जमीन पर सो कर संगठन में काम करने वाले बहुत से नेता आज प्रभावशाली होते ही बड़ी-बड़ी महंगी गाड़ियों में घूमने लगे हैं। आम कार्यकर्ताओं से उनका जुड़ाव कम होने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा राजनीति में ईमानदारी की बात करते हैं और स्वयं भी अपने जीवन में पूरी तरह ईमानदारी रखते हैं।

आज के कार्टुन

तत्व ज्ञान

रीराम शर्मा आचार्य

एक बार की बात है कि एक पुण्य व्यक्ति परिवार सहित तीर्थ के लिए निकला..कई कोस बाद परिवार को प्यास लगने लगी, ज्येष्ठ का महीना था, आसपास पानी नहीं दिखाई पड़ रहा था। इतने में उसे कुछ दूर पर एक साधू तप करता नजर आया.. व्यक्ति ने साधू से जाकर समस्या बताई..साधू बोले कि यहां से एक कोस दूर उत्तर की दिशा में छोटी दरिया बहती है। उसने साधू को धन्यवाद बोला..पत्नी एवं बच्चों की स्थिति नाजुक होने के कारण वहीं रु कने के लिया बोला और खुद पानी लेने चला गया..जब वो दरिया से पानी लेकर लौट रहा था तो उसे रास्ते में पांच व्यक्ति मिले जो अत्यंत प्यासे थे..पुण्य आत्मा ने सारा पानी उन प्यासों को पिला दिया..जब वो दोबारा पानी लेकर आ रहा था तो पांच अन्य व्यक्ति मिले जो उसी तरह प्यासे थे..पुण्य आत्मा ने फिर सारा पानी उनको पिला दिया..। यही घटना बार-बार हो रही थी..और काफी समय बीत जाने के बाद जब वो नहीं आया तो साधू उसकी तरफ चल पड़ा..बार-बार उसके इस पुण्य कार्य को देखकर साधू बोला-'हे पुण्य आत्मा तुम बार-बार अपनी बाल्टी भरकर दरिया से लाते हो और किसी प्यासे के लिए.. खाली कर देते हो..इससे तुम्हें क्या लाभ मिला..?' पुण्य आत्मा ने बोला, 'मुझे क्या मिला? या क्या नहीं मिला, इसके बारे में मैंने कभी नहीं सोचा..पर स्वार्थ छोड़कर अपना धर्म निभाया..।' साधू बोला-'ऐसे धर्म निभाने से क्या फायदा जब तुम्हारे अपने बच्चे और परिवार ही जीवित न बचें? अपना धर्म ऐसे भी निभा सकते थे जैसे मैंने निभाया..'। पुण्य आत्मा ने पूछा-'कैसे महाराज?' साधू बोला-'मैंने तुम्हें दरिया से पानी लाकर देने की बजाय दरिया का रास्ता ही बता दिया..तुम्हें भी उन सभी प्यासों को दरिया का रास्ता बता देना चाहिए था..ताकि तुम्हारी भी प्यास मिट जाए और अन्य प्यासे लोगों की भी..फिर किसी को अपनी बाल्टी खाली करने की जरूरत ही नहीं..'। इतना कहकर साधू अंतर्ध्यान हो गया..। पुण्य आत्मा को सब कुछ समझ आ गया कि अपना पुण्य खाली कर दूसरों को देने की बजाय, दूसरों को भी पुण्य अर्जित करने का रास्ता या विधि बताएं..। मित्रो-ये तत्व ज्ञान है..अगर किसी के बारे में अच्छा सोचना है, तो उसे उस परमात्मा से जोड़ दो ताकि उसे हमेशा के लिए लाभ मिले!!

सू-दोकू नवताल -2086

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

सू-दोकू - 2085 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. ऋषि कपूर, दिंपल कपाड़िया की 'झूठ बोले कौआ काटे' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारत भूषण, मधुबाला अभिनीत फिल्म-3
6. अनिल, माधुरी की 'कह दो कि तुम' गीत वाली फिल्म-3
8. 'कहां गए ममता भरे दिन' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-2
9. बी.आर. चोपड़ा की बहु सितारा फिल्म 'वक्त' के संगीत निर्देशक कौन थे-2
11. नायक अनिलकपूर की पहली फिल्म-3
13. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'मेरे दिल में आज क्या है' गीत वाली फिल्म-2
14. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली फिल्म-3
16. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
17. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय देवगन, मनीषा, अविनाश वधावन, करिश्मा की फिल्म-4
19. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली फिल्म-2
20. 'समय तू जल्दी जल्दी चल' गीत वाली राजेश खन्ना, शबाना, विद्या सिन्हा की फिल्म-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
23. फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था ?-2
24. विकास भल्ला, सुमित सहगल, नीलम की फिल्म-2
26. 'बाबूजी धीरे चलना' गीत वाली गुरु दत्त, शकीला, श्यामा की फिल्म-2,2
28. आफताब, उर्मिला की 'रुकी- रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
29. सुनील दत्त, आशापारेख की फिल्म-3
30. 'चोरी चोरी ओ गोरी' गीत वाली फिल्म-4
31. फिल्म 'डोली सजा के रखना' के संगीत निर्देशक कौन हैं ?-4

फिल्म वर्ग पहेली- 2086

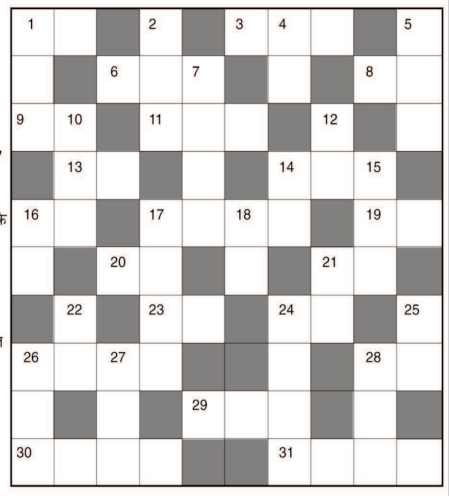

ऊपर से नीचे:-

1. जे. पी. दत्ता की 'ऐ जाते हुए लम्हों' गीत वाली एक मल्टी स्टार फिल्म-3
2. फारुख शेख, नसीरुद्दीन, स्मिता की फिल्म-3
4. 'इतनी शक्तिहमें देना दाता' गीत वाली जया भादुड़ी की पहली फिल्म-2
5. सुनील दत्त, वैजयंती माला की 'औरत ने जनम दिया मर्दों को' गीत वाली फिल्म-3
7. संजीव कुमार, तनूजा की 'आया रे खिलौने वाला' गीत वाली फिल्म-4
10. 'कभी खोले ना तिजोरी का ताला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
12. रामगोपाल वर्मा की मनोज वाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली एक सस्पेंस फिल्म-2
14. अजय देवगन, टिवंकल खन्ना की 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीतवाली फिल्म-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन अभिनीत फिल्म-3
16. बलराज साहनी, पंढरी बाई, नंदा की 'टाई लगा के बन गए जनाब हीरो हीरो' गीतवाली फिल्म-2
17. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा, जीनत की फिल्म-4
18. फिल्म 'एक दूजे के लिये' में कमल हासन के किरदार का नाम क्या था ?-2
21. अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-2
22. 'मैं नये जमाने की लैला' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन की फिल्म-2
24. अमिताभ बच्चन, नूतन, पद्मा खन्ना की 'तेरा मेरा साथ रहे ' गीत वाली फिल्म-4
25. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
26. राज कपूर, नर्गिस की 'आ जाओ तड़पते हैं अरमां' गीत वाली फिल्म-3
27. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-3
28. फिल्म 'ये तेरा घर ये मेरा घर' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन है ?-3

फिल्म वर्ग पहेली-2085

लेटेस्ट ट्रेंड के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

घर सजाने में भले ही कम समय लगता हो लेकिन बच्चे का कमरा डैकोरेट करते समय बहुत कुछ सोचना पड़ता है। छोटे बच्चे शरारती होते है इसलिए उनके कमरे को उनकी आदतों के अनुसार ही सजाना पड़ता है। कमरे की डैकोरेशन ऐसी होनी चाहिए जिसमे वह आसानी से छोटे-छोटे खेलों को खेल सके इसके अवाला बेड की ऊंचाई भी ध्यान में रखनी चाहिए ताकि बच्चे आराम से अपने कमरे में रह सकें। आज हम आपको बच्चों के कमरे के लेटेस्ट डिजाइन दिखाएंगे जो कि अरामदायक और देखने में खूबसूरत है। अगर आप भी बच्चों के कमरे की डैकोरेशन को लेकर परेशान हैं तो यहां से आइडिया ले सकते हैं।

अगर आपका बच्चा थोड़ा चंचल स्वभाव का है तो इस तरह से कमरे को सजा सकते हैं। बैड के इर्द- गिर्द बच्चे के पसंदीदा रंग के पर्दे लगाएं। इसके साथ ही बेड पर खिलौने भी रख सकते हैं। इस तरह से सजा कमरा बच्चे को बेहद पसंद आएगा।

कुछ बच्चे बेहद शांत स्वभाव के होते हैं। उनके लिए सिंपल तरके से सजा कमरा बैस्ट ऑप्शन है। अगर आपके घर में दो बच्चे हैं तो दोनों के एक ही कमरे में अलग- अलग बेड दें ताकि उनको सोने में परेशानी न हो।

लाल, नीला और पीले रंग का कॉम्बिनेशन बच्चों को बेदह प्यारा लगता है। आप डबलबेड भी बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं। मगर ध्यान रहें की बड़े बच्चे को ऊपर और छोटे को नीचे सोने को कहें।

बच्चे को कमरे को अलग रूप देने के लिए इस तरह के फनी रंगो से सजाएं। अगर आप चाहें तो इस पर कोई अच्छी सी चित्रकारी भी करवा सकती हैं।

जिन बच्चो को जंगली जानवर अच्छे लगते हैं उनके लिए आप जू ट्रिप थीम वाला कमरा सजा सकती हैं। इस तरह से डैकोरेट रूम बच्चे को बेहद अच्छा लगेगा।

बच्चे के कमरो को खिलौने से इस तरह से सजा सकती हैं। कमरे में इस तरह रखे खिलौने देखे में बेहद प्यारे लगेगें।

आजकल 3D आर्ट डेकोर स्टाइल बहुत चलन में है। बच्चों को भी कमरे की इस तरह की सजावट बेहद अच्छी लगती है।

याद रखें ये छोटे-छोटे नुस्खे बच्चे से हर समस्या रहेगी दूर

भले ही आप बच्चे की परवरिश में कोई कसर न छोड़ें, लेकिन लाख सावधानियां बरतने के बाद भी कोई न कोई गलती हो ही जाती है। बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है क्योंकि बच्चे बेहद नाजुक और संवेदनशील होते हैं। बदलते मौसम में उन्हें सर्दी, खांसी और त्वचा संबंधी कई प्रॉबल्म भी हो सकती है। ऐसे में उन्हें खास केयर की जरूरत होती है, ताकि उन्हें इन परेशानियों से बचा कर रखा जा सकें।

अक्सर छोटे बच्चे बीमार होते है तो सबसे ज्यादा मां टेंशन में पढ़ जाती है, उनकी सेहत सुधारने में लगी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बच्चों को डॉक्टर के पास ले जाया जाए, बल्कि आप कुछ छोटे-छोटे नुस्खे इस्तेमाल करके भी बच्चे को इन परेशानियों से बचाए रख सकते है। आज हम आपको बच्चों की सेहत दुरुस्त रखने के कुछ टिप्स बताएंगे, जो हर मां को पता होने चाहिए।

शरीर में खुजली

अगर बच्चे की शरीर में खुजली हो रही है तो उसके नहाने के पानी में ओट्स मिला दें। यह उन बच्चों के लिए भी काफी मददगार है, जिन्हें चिकनपॉक्स की समस्या रहती है। खुजली से राहत मिलती है।

सर्दी भगाएं हल्दी-दूध

बच्चों को जल्दी सर्दी लग जाती है। ऐसे में उसे दूध में हल्दी मिलाकर पिलाएं। इससे बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

हिचकी आने पर चीनी

जब बच्चे की हिचकियां रूकने का नाम ही नहीं लेती तो मां अक्सर चिंता में पड़ जाती है। इस तरह की परेशानी में परेशान न हो बल्कि बच्चे को एक चम्मच चीनी खिला दें। चीनी खाने से डायफरग्राम की मांसपेशियों को राहत मिलती है और हिचकी रुक जाती है।

गले में खराश

अगर बच्चे के गले में खराश और दर्द है तो उसे 1 चम्मच शहद चटाएं। इससे गले की खराश पैदा करने वाले कीटाणुओं को संमाप्त होते है और यह स्वाद में मीठा होने के कारण बच्चों को पसंद भी बेहद आता है।

पाचन क्रिया दुरुस्त

अगर बच्चे का हाजमा खराब है तो भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को नींबू चटाएं, इससे दस्त की समस्या दूर रहेगी क्योंकि नींबू में साल्विया के निर्माण में कमी आती है और दस्त में आराम मिलता है।

बचपन में ही बच्चे को सिखाएं बचत की अहमियत

आपको पैसे की कमी हो या न हो बच्चों को पैसे की अहमियत समझानी बहुत जरूरी बात है ताकि आगे जाकर उन्हें अपनी जिंदगी में फाइनेशियल प्रॉब्लम न आएं। उन्हें पैसे की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें यह आदत अपनी मेहनत की बातें बता कर भी डाल सकते हैं। पढ़ाने-लिखाने के साथ उन्हें यह समझाना बहुत जरूरी है कि पैसा कमाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये बातें उन्हें बचपन से ही सिखानी चाहिए ताकि आपको भविष्य में उनकी कोई परेशानी न हो। बचत की आदत से उनकी जिंदगी परफैक्ट हो सकती हैं। वह अपने हर सपने का पूरा कर सकते हैं। आइए जानिए आप उन्हें किन बातों द्वारा बचत की आदत डाल सकते हैं।

अपनी मेहनत करने की बातें बताएं

बच्चों को बचत की आदत डालने के लिए उन्हें यह बताना बहुत जरूरी होता कि पैसा किस तरह से मेहनत करके कमाया जाता है। आप उन्हें यह जरूर बताएं कि आप किस तरह मेहनत करके एक-एक पैसा जोड़ते हैं। इसके लिए उन्हें शुरू से मेहनत करने की आदत डालें। उनसे घर के छोटे-छोटे काम करवाएं। इस तरह उन्हें भी मेहनत करने की आदत पड़ेगी और पैसे की अहमियत समझ आएगी।

पॉकेट मनी से बचत करें

बच्चों को पॉकेट मनी से बचत करने की आदत डालें। इस आदत के लिए उन्हें यह लालच दें कि बचाए हुए पैसे से वह अपनी मनपसंद की चीज खरीद सकते हैं या फिर कभी जरूरत पड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

जरूरत और चाहत में फर्क बताएं

बचत करने की आदत डालने के लिए बच्चों को जरूरत और चाहत में फर्क बताना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताए कि जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज को खरीदें। चाहत तो बहुत कुछ पाने की होती है। उन्हें पैसे देकर अकेले खरीददारी करने के लिए भेजे और देखें कि वह किस तरह जरूरत के अनुसार चीजें खरीदते हैं, अगर वह कोई एक्सट्रा चीज खरीदते हैं तो उसे डांटने की बजाय समझाएं।

बचत से हेल्प करनी सिखाएं

बचत करने की आदत बच्चे में स्वार्थ की भावना भी पैदा कर सकती है इसलिए उसे जमा किए पैसे से किसी भी जरूरतमंद की मदद करनी सिखाएं। आपको जरूरत हो या न हो शुरू से ही उनसे कभी-कभी अपने लिए मदद लें।

गिफ्ट दें

बच्चों को उनके बचाएं पैसे से उनके पसंदीदा गिफ्ट लाकर दें, जिसे देख कर वह खुश हो जाएंगे और उन्हें बचत करने की आदत पड़ेगी।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये जूस, दिमाग होगा तेज

मां- बाप यही चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ने में होशियार हो ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिलकर चल सके। आजकल तो वैसे भी फाइनल एग्जाम चल रहें। मां- बाप इस समय बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखते हैं ताकि उनको अच्छे से अच्छे नंबर मिलें। मगर कई बार बच्चा कोशिश करने के बाद भी पेपर के समय सब कुछ भूल जाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि बच्चे का दिमाग तेज हो और वह अच्छे नंबरों के साथ पास हो तो उनको डाइट में ये ड्रिंक जरूर शामिल करें। इनको पीने से कुछ दिनों में बच्चे कि स्मरण शक्ति बढ़ जाएगी।

अनार का जूस

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है जो ब्रेन सेल्स को खराब होने से बचाता है। अगर आपका बच्चा पढ़ाई लिखाई में थोड़ा सा कमजोर है तो रोजाना उसको अनार का जूस पीने को दें। लगातार अनार का जूस पीने से कुछ दिनों में आपको अपने बच्चे में फर्क दिखाई देने लेगा।

बादाम शेक

बादाम में प्रोटीन काफी मात्रा में होता है जो ब्रेन की ग्रोथ बढ़ाने में फायदेमंद होता है। रोजाना ये शेक पीने से बच्चे का दिमाग तेज होने के साथ ही उसका पेट भी सही रहता है।

एलोवेरा जूस

इसमें विटामिन B6 बहुत ज्यादा पाया जाता है। इसको पीने से यादाशत तेजी से बढ़ती है। ये पीने में टेस्टी नहीं होता मगर बच्चे के दिमाग के लिए बेस्ट टॉनिक होता है। अगर आपका बच्चे को उसका स्वाद पसंद नही आता तो आप अमरूद के जूस में एलोवेरा मिलाकर दे सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी पॉलीफेनॉल्स का गुण होता है जो दिमाग को शार्प करने के साथ ही इसको फ्रेश रखने का काम भी करता है।

संतरे का जूस

संतरे में फ्लेवोनाइट्स होते है जो दिमाग को एक्टिव रखता है। एक गिलास संतरा का जूस पीने से बच्चा को पूरा दिन उत्साह के साथ गुजरेगा।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होने लगता है। यह जूस दिमाग को तेज करने के साथ ही डेमेंशिया यानी मेमोरी लौस से भी बचाता है।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन डी ,सी और ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह जूस त्वचा में निखार लाने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है।

नारियल पानी

गर्मियों के मौसम में नारियल पानी से पूरा शरीर तरोताजा रहता है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि इसको रोजाना पीने से दिमाग तेज होने के साथ ही एकाग्रता भी बढ़ती है।

15 दिन में 13वीं बार की गई बढ़ोतरी

ट्रोल-डीजल की कीमतों में फिर 80-80 पैसे प्रति लीटर का इजाफा

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में एक बार फिर 80-80 पैसे प्रति लीटर का इजाफा कर दिया। इस तरह 15 दिन में 13वीं बार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई। इसके साथ ही दिल्ली में पेट्रोल की कीमतें 104.61 रुपए और डीजल की कीमत 95.87 रुपए प्रति लीटर पहुंच गई। इससे पहले सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में 40-40 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी का ताजा सिलसिला 22 मार्च को शुरू हुआ था। इस दौरान 24 मार्च और एक अप्रैल को छोड़कर हर दिन पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल की कीमत में 13 किस्तों में क्रमशः 80, 80, 80, 80, 50, 30, 80, 80, 80, 80, 80, 40 और 80 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। इस तरह 13 किस्तों में यह 9.20 रुपए बढ़ चुका है। इससे पहले चार नवंबर से 21 मार्च तक पेट्रोल-डीजल का दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया था। इस तरह से 22 मार्च से लेकर 5 अप्रैल तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 9 रुपए 20 पैसे की वृद्धि की गई है। यह आम आदमी की जेब पर सीधी चोट है। इस वृद्धि के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों को माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों के कारण ईंधन खुदरा विक्रेताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ा है, जिसकी भरपाई के लिए यह वृद्धि जरूरी है। पिछले साल सितंबर के बाद पेट्रोल के मुकाबले डीजल का बाजार ज्यादा तेज हुआ था। कारोबारी लिहाज से देखें तो पेट्रोल के मुकाबले डीजल बनाना महंगा पड़ता है। लेकिन भारत के खुले बाजार में पेट्रोल महंगा बिकता है और डीजल सस्ता बिकता है। पिछले 22 मार्च से डीजल 13 किस्तों में 9.20 रुपये महंगा हो गया है। मूडीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए तेल कंपनियों आईओसी, एचपीसीएल और बीपीसीएल ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की थी जिससे उन्हें 19,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

गौतम अडानी की संपत्ति में 28.2 अरब डॉलर का इजाफा हुआ, दुनिया के 10वें सबसे अमीर आदमी

मुंबई ।

दिग्गज भारतीय कारोबारी गौतम अडानी के अडानी ग्रुप की सभी लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में तेजी आई, इसकारण ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 4.69 अरब डॉलर यानी करीब 35,408 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी 105 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर बने हुए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 28.2 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है, जो दूसरे टॉप रईसों के मुकाबले सबसे अधिक है। सोमवार को अडानी ग्रुप के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी अडानी ग्रीन एनर्जी में रही। कंपनी का शेयर नौ फीसदी की छलांग के साथ बंद हुआ। अडानी टोटल गैस के शेयरों में 5.43 फीसदी, अडानी पोर्ट में 4.20 फीसदी, अडानी पावर के शेयरों में 4.11 फीसदी, अडानी विल्मर में 1.70 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज में 1.04 फीसदी और अडानी ट्रांसमिशन में 1.02 फीसदी की तेजी आई। इस बीच देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर बने हुए हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 94.6 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी नेटवर्थ 100 अरब डॉलर पहुंच गई। इस साल अंबानी की नेटवर्थ में 9.97 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। अडानी और अंबानी की नेटवर्थ में अब पांच अरब डॉलर का अंतर हो चुका है। वहीं टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 288 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अमेजान के फाउंडर जेफ बेजोस 193 अरब डॉलर की नेटवर्थ के फांसीसी बिजनसमैन और दुनिया की माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल नंबर पर बने हुए हैं।

फिर आसमान पर पहुंचे फलों और हरी सब्जियों के दाम, भिंडी 120 रुपये और 100 रुपए प्रतिकिलो बिक रहा

नई दिल्ली ।

देश के कई हिस्सों में नवरात्र के दौरान फलों और सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। विशेष रूप से हरी सब्जियों के दामों में पिछले दो-तीन दिनों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। फलों और सब्जियों के बढ़ते दाम ने हर घर के बजट को बिगाड़ दिया है। कुछ सब्जियों के दाम तो फलों से भी महंगे हो गए हैं। एक नींबू 10 रुपये में बिक रहा है। वहीं, अगर एक किलो नींबू खरीदने जाते हैं तो दुकानदार 200 से 250 रुपये प्रति किलो की मांग कर रहे हैं। हालांकि, थोक मंडियों में नींबू के दाम काफी कम हैं। इसी तरह भिंडी, परवल, खीरा, घीया, तोरई समेत कई और सब्जियां भी रुला रही है। भिंडी 120 रुपये प्रति किलो बिक रही है। वहीं करेला 80 रुपए से लेकर 100 रुपए के बीच बिकने लगे हैं। अमूमन नवरात्र में प्याज के दाम घट जाते हैं, लेकिन इस बार प्याज भी 30 से 40 रुपए प्रति किलो बिक रही है। जमाखोरी और ट्रांसपोर्टेशन खर्च में बढ़ोतरी से कई तरह के सब्जियों के दाम में जबरदस्त उछाल आया है। गाजर 50 से 60 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं। अदरक 70 से 80 रुपए प्रति किलो, शिमला मिर्च 90 से 100 रुपए प्रति किलो बिक रहे हैं। बता दें कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम जिस तरह से बढ़ रहे हैं, उसी तरह नवरात्र में सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ने से यातायात किराया बढ़ जाने से ये हालात पैदा हुए हैं। अगले 15 दिनों तक त्योहारों का सीजन खत्म हो जाने के बाद भी महंगाई खत्म नहीं होने वाली है। फलों और सब्जियों के दाम बढ़ते जा रहे हैं, जिससे महंगाई की मार लोगों पर साफ नजर आ रही है। सब्जियां लगातार लोगों की पहुंच से बाहर हो गई हैं। देश के हर कोने में खाद्य पदार्थों की चीजों में बढ़ोतरी ने रसोई घर का बजट बिगाड़ दिया है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम के बाद सब्जियों के दाम जिस तरीके से आसमान छू रहे हैं, टमाटर की कीमत की अगर बात करें तो 2 महीने पहले तक जहां टमाटर की कीमत 20 रुपये किलो थी । वह पिछले कुछ दिनों में

टोयोटा की मार्च में बिकीं सबसे ज्यादा कारें

नई दिल्ली ।

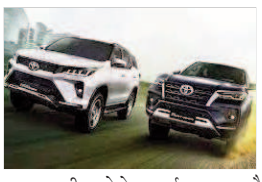

पिछले महीने टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कंपनी ने 17,131 कारें बेची हैं, जो कि 14 फीसदी की सालाना ग्रोथ के साथ है। टोयोटा ने फरवरी में 8,745 कारें ही बेची थीं, ऐसे में मार्च में करीब 90 फीसदी सेल बढ़ी है। कंपनी ने पिछले महीने, यानी मार्च 2022 कार सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। बीते 5 साल के दौरान टोयोटा ने किसी महीने में सबसे ज्यादा कारें बेची हैं, तो वह मार्च 2022 ही है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर भारत में हालिया लॉन्च नई ग्लैंजा के साथ ही कॉम्पैक्ट एसयूवी अर्बन क्रूजर, टोयोटा कैमरी सेडान और इनोवा क्रिस्टा और फॉर्च्यूनर जैसी एमपीवी और एसयूवी कारें बेचती हैं। चलिए, आज हम आपको टोयोटा इंडिया की मार्च 2022 सेल्स रिपोर्ट डिटेल में बताते हैं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने साल 2021-22 में साल 2020-21 के मुकाबले 58 फीसदी की ग्रोथ दर्ज कराते हुए कुल 123,770 कारें बेची हैं। साल 2020-21 में कंपनी ने महज 78,262 कारें बेची थीं, ऐसे में पिछला वित्तीय वर्ष टोयोटा के लिए काफी अच्छा रहा। टोयोटा इनोवा क्रिस्टा लंबे समय से कंपनी की बेस्ट सेलिंग कार के रूप में उभरकर सामने आई है। बीते मार्च में इनोवा क्रिस्टा की 8000 यूनिट तक बिकने की संभावना है। इसके साथ ही फॉर्च्यूनर की भी अच्छी बिक्री होती है। हालिया लॉन्च नई ग्लैंजा को लेकर भी काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। इन सबके बीच टोयोटा अर्बन क्रूजर और कैमरी जैसी कारें भी लोगों की फेवरेट है। नई ग्लैंजा और हाइलक्स से कंपनी मार्केट में अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश में लगी है। आने वाले समय में कंपनी मिडसाइज एसयूवी के साथ ही सस्ती एमपीवी भी लॉन्च कर सकती है।आपको बता दें कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की शुरुआत होते ही टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 1 अप्रैल 2022 से अपनी सभी कारों की कीमत में 4 फीसदी तक का इजाफा कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

पैन को आधार से लिंक कराने की तिथि निकली, जुर्माना देकर अब भी करा सकेंगे लिंक

नई दिल्ली । पैन को आधार से लिंक कराने की अंतिम तारीख 31 मार्च, 2022 थी। इस तारीख तक भी बहुत से लोगों ने पैन को आधार से लिंक नहीं किया है। अब अगर वे ऐसा करते हैं तो उन्हें जुर्माना देना होगा। हालांकि, सरकार ने अब भी पैन धारकों की सुविधा के लिए आधार से लिंक न हुए पैन को निष्क्रिय नहीं किया है। अब पेन एक्टिवेट तो रहेगा, लेकिन वह भी केवल 31, मार्च 2023 तक। लेकिन, दिक्कत यह है 31 मार्च, 2022 के बाद जो पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं है, वो बहुत से कामों के लिए स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसलिए पैन को जितन जल्दी हो आधार से लिंक जरूर करा लेना चाहिए। 31 मार्च के बाद भी पैन को आधार से लिंक तो कराया जा सकता है, लेकिन ऐसा करने के लिए जुर्माना देना होगा। पहले यह निःशुल्क हो रहा था। अब 30 जून तक पैन को आधार से लिंक कराने पर 500 रुपये जुर्माना लगेगा और इसके बाद जुर्माना राशि बढ़कर एक हजार रुपये हो जाएगी। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 24 जनवरी, 2022 तक 43.34 करोड़ पैन आधार के साथ लिंक हो गए थे। लेकिन, अब भी बहुत से लोगों ने अपने पैन को आधार से लिंक नहीं कराया है। इसलिए सरकार ने जुर्माना भरकर यह काम करने की सुविधा दी है।

इरेडा ने वित्त वर्ष 2021-22 में 23,921 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए

नई दिल्ली । देश की सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास निगम (इरेडा) ने वित्त वर्ष 2021-22 में रिकार्ड 23,921.06 करोड़ रुपए कर्ज को मंजूरी दी जिसमें करीब 16,070.82 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, '...नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए कर्ज देने वाली संस्था इरेडा ने 2021-22 में अब तक के सर्वाधिक 23,921.06 करोड़ रुपए कर्ज को मंजूरी दी। इसमें से करीब 16,070.82 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं।' इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने कर्मचारियों के साथ बातचीत में कहा कि कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद एजेंसी ने 2021-22 में उल्लेखनीय लक्ष्य हासिल किए हैं।

टीवीएस की बाइक, स्कूटर के एक्सपोर्ट में आई कमी

नई दिल्ली । आटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी टीवीएस मोटर ने मार्च 2021 के मुकाबले टीवीएस की मार्च 2022 में अपनी बाइक और स्कूटर के एक्सपोर्ट में भी कमी देखने को मिली है। टीवीएस मोटर कंपनी ने मार्च 2022 बाइक सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। टीवीएस ने बीते मार्च 307,954 मोटरसाइकल, स्कूटर, मोपेड और थ्री-व्हीलर्स बेचे, जिनमें एक्सोर्ट भी शामिल है। टीवीएस भारत में अपाचे सीरीज बाइक्स के साथ ही रेडर 125 बाइक और टीवीएस जुपिटर स्कूटर समेत अन्य पॉपुलर मोटरसाइकल और स्कूटर बेचती है।टीवीएस की मार्च 2021 टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर सेल्स रिपोर्ट देखें तो कंपनी ने पिछले महीने कुल 292,918 टू-व्हीलर्स बेचे, जो कि मार्च 2021 के 3,22,643 यूनिट के मुकाबले कम है। टीवीएस ने मार्च में 1,57,254 मोटरसाइकल के साथ ही 94,747 यूनिट स्कूटर और मोपेड बेचे। वहीं, 109,724 यूनिट बाइक और स्कूटर विदेशों में निर्यात किए गए। थ्री-व्हीलर्स की बात करें तो डोमेस्टिक मार्केट में टीवीएस कंपनी ने पिछले महीने घरेलू और इंटरनैशनल मार्केट में कुल 15,036 यूनिट बेचे। सालाना रूप से टीवीएस के अलग-अलग सेगमेंट के प्रोडक्ट्स की बिक्री में पिछले महीने कमी देखने को मिली है। टीवीएस ने हर सेगमेंट में लोगों के लिए सस्ते और महंगे मोटरसाइकल और स्कूटर पेश किए हैं। टीवीएस ने आईक्यूब जैसा पॉपुलर इलेक्ट्रिक स्कूटर भी पेश किया है। इस साल टीवीएस एक और इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने वाली है, जिसकी रेंज आईक्यूब के मुकाबले बेहतर होगी। बता दें कि भारतीय टू-व्हीलर मार्केट में टीवीएस मोटर कंपनी ने टीवीएस अपाचे सीरीज की पॉपुलर बाइक्स के साथ ही हालिया लॉन्च रेडर 125 समेत अन्य कई धांसू बाइक्स पेश बाइक्स पेश की हैं।

सेबी ने डिजिटल फॉरेंसिक एजेंसी के चयन के लिए मंगाए आवेदन

नयी दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) तलाशी एवं जब्ती अभियानों के दौरान घटनास्थल से डेटा जुटाने में मदद के लिए एक एजेंसी को नियुक्त करने की तैयारी में है। इसके लिए सेबी ने मोबाइल, कंप्यूटर एवं टैबलेट जैसे उपकरणों से डिजिटल सबूतों को जब्त करने, उन्हें फिर से निकालने और उनका विश्लेषण करने के लिए अनुभवी डिजिटल फोरेंसिक एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। बाजार नियामक ने यह कदम कई संस्थाओं द्वारा टेलीग्राम ऐप का इस्तेमाल कर कथित रूप से धोखाधड़ी किए जाने की शिकायतों को देखते हुए उठाया है। सेबी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि डेटा फॉरेंसिक एजेंसी को तलाशी एवं जब्ती के दौरान तलाशी लेने गई टीम और घटनास्थल से डेटा जब्त करने में सहायता देनी होगी। इसके अलावा इस एजेंसी को कई तरह के डिजिटल उपकरणों जैसे लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्मार्टफोन, टैबलेट, हार्ड ड्राइव, यूएसबी ड्राइव, सीडी/डीवीडी, सर्वर आदि को फॉरेंसिक इस्तेमाल के लिए जब्त भी करना होगा। लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्मार्टफोन, टैबलेट, हार्ड ड्राइव, यूएसबी ड्राइव, सीडी/डीवीडी, सर्वर आदि को फॉरेंसिक इस्तेमाल के लिए जब्त भी करना होगा। सर्वर आदि को फॉरेंसिक इस्तेमाल के लिए जब्त भी करना होगा। नियामक के अनुसार इच्छुक फॉरेंसिक एजेंसियां 26 अप्रैल तक आवेदन कर सकती है।

सीसीआई ने स्विगी और जोमैटो के खिलाफ 60 दिन में जांच करने का दिया आदेश

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप स्विगी और जोमैटो के खिलाफ उनके रेस्टोरेंट भागीदारों के साथ अनुचित तरीके से कारोबार करने के का आरोप है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दोनों कंपनियों पर प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यवहार को लेकर जांच का आदेश दिया है। यह आदेश नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की शिकायत के बाद दिया गया है। एनआरएआई देशभर में 50000 से ज्यादा रेस्टोरेंट ऑपरेटरों का प्रतिनिधित्व करता है। सीसीआई ने 4 अप्रैल को आदेश दिया कि स्विगी और जोमैटो के खिलाफ लग रहे पेमेंट साइकिल में देरी, एकतरफा क्लॉज और कमीशन लगाने जैसे आरोपों की एक जांच होनी चाहिए। निष्पक्ष ट्रेड रेगुलेटर ने अपने महानिदेशक को आरोपों की गहन जांच करने और 60 दिनों में रिपोर्ट देने को कहा है।

लाइव मिंट के मुताबिक, सीसीआई ने कहा कि प्राथमिक जांच में यह हितों के टकराव का मामला लग रहा है। रेस्टोरेंट भागीदारों के बीच प्रतिस्पर्धा पर इसके असर की विस्तार से जांच करने की आवश्यकता है। सीसीआई ने कहा कि दोनों ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली प्रमुख कंपनियां हैं। बाजार में अपनी मजबूत पकड़ के कारण ये दोनों प्रतिकूल असर डाल सकती हैं। कामकाज के समान अवसरों को भी अपने हिसाब से प्रभावित कर सकती हैं। सीसीआई का कहना है कि स्विगी और जोमैटो अपनी बाजार हिस्सेदारी या राजस्व हितों वाले रेस्टोरेंट भागीदारों को अन्य के मुकाबले ज्यादा तवज्जो देती हैं। ऐसा व्यवहार कई तरीकों से हो सकता है, जिससे प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। आयोग ने कहा कि जोमैटो और स्विगी के समझौतों में शामिल 'मूल्य समानता उपनियम' व्यापक अंकुशों की ओर इशारा करते हैं। इन नियमों के तहत रेस्टोरेंट भागीदार अपने खुद के किसी भी माध्यम के जरिये कम दाम पर डिलीवरी नहीं कर सकते या ज्यादा छूट नहीं दे सकते हैं। इससे पहले एसोसिएशन ने पिछले साल जुलाई में स्विगी और जोमैटो के खिलाफ डाटा मास्किंग, डीप डिस्काउंटिंग और प्लेटफॉर्म न्यूट्रैलिटी के उल्लंघन के आरोपों की जांच की मांग की थी। उसका दावा था कि महामारी के दौरान दोनों कंपनियों की प्रतिस्पर्धा विरोधी प्रथाओं को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। एनआरएआई ने आरोप लगाया कि स्विगी और जोमैटो रेस्टोरेंट से 20 से 30 फीसदी तक कमीशन लेते हैं, जो अव्यवहार्य और ज्यादा है।

एसबीआई योनो उपभोक्ताओं के लिए लाया 'सुपर सेविंग डेज़' में धमाकेदार ऑफर

नई दिल्ली ।

भारत के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के मोबाइल एप योनो के यूजर्स के लिए खुशखबरी है। योनो अपने उपभोक्ताओं के लिए 'सुपर सेविंग डेज' में धमाकेदार ऑफर लेकर आया है। योनो अपने ग्राहकों को कुछ बड़े ब्रैंड्स से शॉपिंग करने पर 45 फीसदी की छूट उपलब्ध करवा रहा है। इस ऑफर का लाभ आप 7 अप्रैल 2022 तक उठा सकते हैं। योनो ने ट्विटर पर यह जानकारी देते हुए बताया है कि यूजर्स एमेजॉन, लाइफस्टाइल, ओयो, आजिओ, ईज माय ट्रिप, वेदांतु और महिंद्रा से योनो के ज़रिए शॉपिंग कर भारी छूट प्राप्त कर सकते हैं। उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, एमेजॉन डॉट इन से योनो के माध्यम से शॉपिंग करने पर आपको फ्लैट 215 फीसदी की छूट मिल सकती है। वहीं, आजिओ पर आपको अधिकतम 500 रुपए तक की छूट प्राप्त कर सकते हैं। योनो के जरिए ओयो का इस्तेमाल करने आपको फ्लैट 45 फीसदी की छूट मिलेगी। जबकि ईज माय ट्रिप आपको अधिकतम 850 रुपए की छूट देगा। योनो से खरीदारी पर लाइफस्टाइल स्टोर्स आपको अतिरिक्त 20 फीसदी की छूट देंगे। वहीं, वेदांतु आपको फ्लैट 25 फीसदी की छूट देगा। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा आपको योनो से शॉपिंग करने पर कार लोन पर संबंधी बेनेफिट्स और कुछ शर्तों के साथ कार की एक्सेसरिज़ पर छूट दे रही है। अगर आप एसबीआई कस्टमर हैं तो अपने फोन में पहले एसबीआई योनो ऐप डाउनलोड करें फिर शॉप एंड ऑर्डर पर क्लिक करें। इसके बाद योनो सुपर सेविंग डेज़ का इस्तेमाल कर शॉपिंग करें।

एसबीआई ने कहा है कि वह भविष्य के लिए खुद को तैयार करना चाहता है और इसी दिशा में कदम उठाते हुए योनो ऐप को एक अलग डिजिटल एंटटी बना रहा है। बैंक का कहना है कि वह नई एंटिटी का वनली योनो रखेगा। एसबीआई मौजूदा योनो ग्राहकों को नई एंटिटी में माइग्रेट कर देगा और बैंक का मानना है कि वह इस कार्य को 12 से 18 महीनों में अंजान देगा।

टाटा हाउसिंग प्रीमियम आवास, प्लाट परियोजनाओं के लिए 1,200 करोड़ रुपए निवेश करेगी

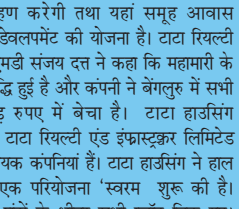

नई दिल्ली । टाटा समूह की रियल एस्टेट शाखा टाटा हाउसिंग ने अगले दो वर्षों में भूमि अधिग्रहण के लिए लगभग 1,200 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी खुद और संयुक्त उद्यमों के जरिए प्रमुख शहरों में भूमि अधिग्रहण करेगी तथा यहां समूह आवास परियोजनाओं के साथ ही प्लॉट डेवलपमेंट की योजना है। टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के सीईओ और एमडी संजय दत्त ने कहा कि महामारी के दौरान प्लॉट की मांग में काफी वृद्धि हुई है और कंपनी ने बेंगलुरु में सभी 157 भूखंडों को 130 करोड़ रुपए में बेचा है। टाटा हाउसिंग डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड टाटा संस की 100 प्रतिशत सहायक कंपनियां हैं। टाटा हाउसिंग ने हाल ही में बेंगलुरु के देवनहल्ली में एक परियोजना 'स्वरम शुरू की है। परियोजना की शुरुआत के 36 घंटों के भीतर सभी प्लॉट बिक गए। उन्होंने कहा, ''हमने सभी 157 भूखंड 130 करोड़ रुपये में बेचे। यह परियोजना टाटा हाउसिंग की 140 एकड़ की टाउनशिप कर्नाटिका का हिस्सा है, जिसे वन बैंगलोर लक्जरी प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने विकसित किया है, जो टाटा हाउसिंग डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और एमएस रमैया रियल्टी एलएलपी के बीच एक संयुक्त उद्यम है।

मार्च में रॉयल एनफील्ड ने कुल 67,677 यूनिट बेची

नई दिल्ली ।

बीते मार्च महीने में रॉयल एनफील्ड बाइक्स की सालाना बिक्री में बढ़ोतरी हुई है, वहीं मंथली सेल भी बढ़ी है। देसी कंपनी रॉयल एनफील्ड ने मार्च में कुल 67,677 यूनिट मोटरसाइकल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेची है। घरेलू मार्केट में रॉयल एनफील्ड बाइक्स की मार्च 2021 के मुकाबले इस साल मार्च में बिक्री घटी है। हालांकि, एक्सपोर्ट में बंपर बढ़ोतरी देखने को मिली है और जहां साल 2020-21 में कंपनी ने 38,622 यूनिट एक्सपोर्ट किए थे, वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में कंपनी ने 81,032 मोटरसाइकल्स बाहरी देशों में निर्यात किए। क्लासिक 350, मीटियॉर 350 और हिमालयन समेत अन्य बाइक्स की देश-विदेश में बंपर बिक्री होती है। मार्च 2022 रॉयल एनफील्ड बाइक्स सेल्स रिपोर्ट देखें तो कंपनी ने पिछले महीने डोमेस्टिक और इंटरनैशनल मार्केट में कुल 67,677 मोटरसाइकल बेचे। जहां घरेलू बाजार में 58,477 यूनिट बिकी, जो कि मार्च 2021 के मुकाबले 3 फीसदी कम है। वहीं, 9,200 बाइक्स एक्सपोर्ट किए गए और यह मार्च 2021 के मुकाबले 56 फीसदी ज्यादा है। साल 2021-22 वित्तीय वर्ष में रॉयल एनफील्ड ने घरेलू मार्केट में कुल 5,73,728 बाइक्स बेचे और यह वित्तीय वर्ष 2020-21 के मुकाबले 9 फीसदी कम है। हालांकि, इसी अवधि में एक्सपोर्ट में 110 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। विदेशों में मीटियॉर 360 और क्लासिक 350 जैसी बाइक्स की अच्छी डिमांड है। रॉयल एनफील्ड ने बीते साल अपनी दो सबसे पावरफुल बाइक्स के एनिवर्सरी एडिशन लॉन्च किए और लिमिटेड एडिशन ये बाइक्स मिनटों में बिक गईं। रॉयल एनफील्ड इस साल हंटर 350, सुपर मीटियॉर 650 और शॉटगन 650 के साथ ही और भी कई बाइक्स इंडियन मार्केट में पेश कर सकती है।

बता दें कि रॉयल एनफील्ड भारत में 350 सीसी से लेकर 650 सीसी तक की बाइक्स बेचती है, जिनमें बेस्ट सेलिंग बाइक क्लासिक 350 के साथ ही बुलेट 350, एलेक्ट्रा 350, मीटियॉर 350, हिमालयन, स्क्रैम 411, इंटरसेप्टर 650 और कंटिनेंटल जीटी 650 जैसी बाइक्स बेचती है।

टोयोटा एमपीवी सेगमेंट में करेगी नई कार लॉन्च

नई दिल्ली । टोयोटा कंपनी अब किफायती एमपीवी सेगमेंट में अपनी नई कार लॉन्च करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स में पता चल रहा है कि आने वाले समय में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर भारत में एक नई एसयूवी से साथ ही एक नई एमपीवी भी लॉन्च करेगी। आपको बता दें कि टोयोटा और सुजुकी जॉइंट वेंचर में नई मिडसाइज एसयूवी लाने की तैयारी में है, जिसे फिलहाल टोयोटा डी22 कोडनेम से पेश किया जा सकता है। इस मिडसाइज एसयूवी को डायहात्सु न्यू जेनरेशन आर्किटेक्चर प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा। यह एसयूवी इस साल दीवाली तक लॉन्च की जा सकती है। टोयोटा की इस मिडसाइज एसयूवी के एक्सटीरियर से लेकर इंटीरियर तक टोयोटा कोरोला क्रॉस की छाप देखने को मिल सकती है। वहीं, फीचर्स की बात करें तो टोयोटा की अपकमिंग मिडसाइज एसयूवी में हाइब्रिड टेक्नॉलजी के साथ ही अडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम समेत कई खास खूबियां देखने को मिल सकती हैं। टोयोटा आने वाले समय में भारत में मारुति अर्टिगा और किआ कारेन्स समेत अन्य पॉपुलर कंपनियों की अच्छी बिक्री वाली 7 सीटर सस्ती एमपीवी को चैलेंज करने के लिए नई एमपीवी टोयोटा रूमियन लॉन्च कर सकत है। इस एमपीवी में 1.5 लीटर 4 सिलिंडर नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है, जो कि 105बीएचपी की पावर और 138 एनएम टॉर्क जेनरेट करेगा। इस एमपीवी को भी 5 स्पीड मैनुअल और 4 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ लॉन्च किया जा सकता है। आपको बता दें कि टोयोटा ने हाल ही में अपनी हैचबैक ग्लैंजा का अपडेट कर इसे न्यू टोयोटा ग्लैंजा के रूप में पेश किया है। यह हैचबैक अब बेहतर लुक और फीचर्स से लैस है।

रोनाल्डो बने तो सबसे पहले अपने दिमाग को स्कैन करेंगे विराट

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बड़े प्रशंसक हैं। विराट ने कहा है कि अगर वह सुबह उठकर पाते हैं कि वह रोनाल्डो बन गये हैं तो सबसे पहले अपने दिमाग को स्कैन करेंगे। विराट रोनाल्डो के काम और फिटनेस के कायल हैं। इसी कारण उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आसीबी) के फोटोशूट के दौरान रोनाल्डो की सराहना की। कोहली से जब यह पूछा गया कि उनका पसंदीदा खिलाड़ी कौन है और अगर वह एक दिन उनकी तरह बनकर उठेंगे तो क्या करेंगे तब इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि रोनाल्डो। उन्होंने कहा कि मैं अगर रोनाल्डो बन गया तो अपने दिमाग को स्कैन करूंगा और देखूंगा कि इतनी मानसिक मजबूती कहां से आती है। इस दौरान उन्होंने बेंगलोर की टीम में दिल तोड़ने वाले क्षण और सबसे यादगार क्षण पर भी बात की। कोहली ने दिल तोड़ने वाले क्षण पर कहा कि आईपीएल फाइनल 2016 और उसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 2016 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल रहे। वहीं सबसे यादगार क्षण के रूप में उन्होंने आईपीएल 2016 का गुजरात लायंस के खिलाफ क्वालीफायर एक को चुना।

दोनो ही मैचों में जीत के बाद भी संतुष्ट नहीं कोच रीड

प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंची भारतीय हॉकी टीम

भुवनेश्वर ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इंग्लैंड को एफआईएच प्रो लीग के दूसरे मैच में भी हरा दिया। उप कप्तान एवं डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह के गोलों की हैट्रिक से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां कलिंग स्टेडियम में इंग्लैंड को 4-3 से हराया। वहीं पहले मैच में भारतीय टीम ने तय समय तक 3-3 से बराबरी पर रहने के बाद पेनाल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम इन दो मैचों में जीत के बाद अब 10 मैचों में 21 अंक लेकर प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है हालांकि इससे टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड संतुष्ट नहीं हैं। रीड ने कहा कि भारतीय टीम जिस प्रकार बढ़त हासिल करने के बाद भी मैच पर अपना नियंत्रण नहीं रख पा रही उस कमजोरी को दूर करना होगा। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी का अवसर देने को सही नहीं मानते। भारतीय टीम ने इंग्लैंड से अपने दोनों मैच जीते। उसने पहले मैच में निर्धारित समय तक स्कोर 3-3 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी जबकि रविवार को दूसरे मैच को उसने 4-3 से जीता था। रीड ने कहा, ''ऐसा लगता है कि हमारी उन मैचों का अच्छी तरह से अंत नहीं करने की आदत बन गयी है जिन पर हमारा नियंत्रण होता है। हम अपनी गलतियों से विरोधी टीम को वापसी का मौका देते है। तीसरे क्वार्टर में हमने मैच पर कुछ नियंत्रण खो दिया था और हमें इस पर गौर करने की जरूरत है।'' कि हमारी उन मैचों का अच्छी तरह से अंत नहीं करने की आदत बन गयी है।

जिन पर हमारा नियंत्रण होता है। हम अपनी गलतियों से विरोधी टीम को वापसी का मौका देते है। तीसरे क्वार्टर में हमने मैच पर कुछ नियंत्रण खो दिया था और हमें इस पर गौर करने की जरूरत है।'' भारत को प्रो लीग के अगले चरण में कलिंग स्टेडियम में ही 14 और 15 अप्रैल को जर्मनी से खेलना है। रीड ने कहा, ''जीत दर्ज करना और तालिका में शीर्ष पर पहुंचना अच्छा है पर अब हमें जर्मनी से मुकाबले की तैयारी होगी।''वहीं दूसरे मैच में हैट्रिक लगाने से हरमनप्रीत बेहद खुश हैं। वह टीम की जीत में योगदान देकर खुश हैं।

आईसीसी रैंकिंग में मिताली, मंधाना शीर्ष दस खिलाड़ियों में बरकरार

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताज एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ओर स्मृति मंधाना शीर्ष दस खिलाड़ियों में बनी हुई हैं। मिताली एक स्थान के नुकसान के साथ ही 686 रेटिंग अंकों के साथ ही सातवें स्थान पर आ गयी हैं जबकि मंधाना 669 अंकों के साथ ही नौवें स्थान पर आई हैं। मिताली एकदिवसीय विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायीं ओर उनके 686 रेटिंग अंक हैं। वह विश्व कप में सात मैच में 26 की औसत से 182 रन की बना सकीं थी। वहीं मंधाना ने विश्व कप में सात मैच में 46.71 की औसत से 327 रन बनाए जिससे उनके 669 अंक हो गए हैं। टूर्नामेंट में मंधाना का सर्वोच्च स्कोर 123 रन रहा। इसके अलावा भारत की ही हरमनप्रीत कौर एक स्थान ऊपर आकर 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरमनप्रीत ने विश्व कप के सात मैचां में 318 रन बनाये ओर वह भारत की दूसरी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहीं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 170 रन की शानदार पारी की सहायता से आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लॉरा वोलवार्ट को पीछे छोड़ा। एलिसा ने विश्व कप में दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से नौ मैच में 509 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 103.66 रहा। वह टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं। एलिसा के अलावा आस्ट्रेलिया की ही बेथ मूनी, मेग लैनिंग और राशेल हेन्स को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष छह बल्लेबाजों में जगह मिली है जबकि फाइनल में नाबाद 148 रन बनाने वाली इंग्लैंड की ऑलराउंडर नैट साइवर अब दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी की बात करे तो भारत की झूलन गोस्वामी पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं जबकि ऑलराउंडरों की सूची में वह 10वें पायदान पर हैं। इसी सूची में भारत की दीप्ति शर्मा सातवें स्थान पर हैं।

मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया : रमीज

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष रमीज राजा ने कहा है कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) नीलामी को आईपीएल की तर्ज पर लाने संबंधी उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। रमीज ने कहा कि वह दोनो ही देशों की अर्थव्यव्स्था के बारे में जानते हैं। राजा ने कहा, मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। मैं जानता हूं कि भारत की अर्थव्यवस्था कहां है और पाकिस्तान की कहां। पाकिस्तान सुपर लीग को सुधारने के लिए हमारे पास योजनाएं हैं। हम नीलामी मॉडल लेकर आएंगे पर मेरे बयान को दूसरी ओर मोड़कर पेश किया गया। इससे पहले पीसीबी प्रमुख ने एक साक्षात्कार में कहा था कि नीलामी मॉडल और पर्स बढ़ाने के बाद पीएसएल को भी आईपीएल की श्रेणी में रखा जा सकता है। रमीज ने कहा था, हमें आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए नई संपत्ति बनानी होंगी। हमारे पास केवल पीएसएल और आईसीसी के कोष उपलब्ध हैं। मैं अगले साल से नीलामी मॉडल पर जाना चाहता हूं। बाजार के हालात इसके अनुकूल हैं पर हम फ्रैंचाइजी के साथ बैठकर एक बार इस पर चर्चा कर लेंगे। उन्होंने साथ ही कहा था, यह पैसे का खेल है। जब पाक में क्रिकेट की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी तो हमारा सम्मान भी बढ़ेगा। अगर हम पाकिस्तान को नीलामी मॉडल पर ले जाएं, पर्स बढ़ा दें, तो मैं इसे आईपीएल की श्रेणी में रखूंगा। तब मैं देखूंगा कि कौन पीएसएस पर आईपीएल को वरीयता देगा।

रानी की टीम में वापसी, लेकिन सविता करेगी भारतीय महिला टीम की अगुवाई

नई दिल्ली ।

स्टार स्ट्राइकर रानी रामपाल ने नीदरलैंड के खिलाफ आगामी एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों के लिए मंगलवार को गोलकीपर सविता की अगुवाई वाली 22 सदस्यीय महिला हॉकी टीम में वापसी की। टीम में मिडफील्डर महिमा चौधरी और स्ट्राइकर ऐश्वर्या राजेश चव्हाण के रूप में दो नए चेहरे भी शामिल हैं, जो शुक्रवार और शनिवार को भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में होने वाले दो मैचों से सीनियर टीम में पदार्पण करेंगे। रानी की अगुवाई में भारतीय टीम पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थी। यह स्टार स्ट्राइकर चोटिल होने के कारण इसके बाद राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेल पाई। रानी की वापसी के बावजूद गोलकीपर सविता टीम की कप्तान बनी रहेंगी, जबकि दीप ग्रेस एक्का उप कप्तान होगी। भारत को हालांकि तोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाली सलीमा टेटे, शर्मिला देवी और लालरेमसियामी की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी जो दक्षिण अफ्रीका में जूनियर विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। भारत के मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'इंग्लैंड की टीम के दौरा नहीं कर पाने के कारण अब नीदरलैंड के खिलाफ हॉकी प्रो लीग के मैचों से मैदान पर वापसी शानदार है। हमारी जूनियर खिलाड़ी विश्व कप में खेल रही हैं और ऐसे में हमें अपने कोर ग्रुप की गहराई का आकलन करने में मदद मिलेगी। मैं मैदान पर कुछ नए चेहरों को देखने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, 'रानी ने वापसी के लिये कड़ी मेहनत की और यदि अभ्यास अच्छा रहा तो मुझे उम्मीद है कि वह एक मैच में खेल सकती है। भारतीय महिला टीम अभी छह मैचों में 12 अंकों के साथ प्रो लीग तालिका में चौथे स्थान पर है। नीदरलैंड छह मैचों में 17 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

टीम इस प्रकार है:

गोलकीपर : सविता (कप्तान), रजनी एतिमारपू।

रक्षापंक्ति : दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, रश्मिता मिंज, सुमन देवी थोडम।

मध्यपंक्ति : निशा, सुशीला चानू पुखरामबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, नमिता टोप्पा, सोनिका, नेहा, महिमा चौधरी।

अग्रिम पंक्ति : ऐश्वर्या राजेश चव्हाण, नवनीत कौर, राजविंदर कौर, रानी रामपाल, मारियाना कुजूर।

स्टैंडबाय : उपासना सिंह, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया।

संक्षिप्त समाचार

केकेआर के खिलाफ पोलार्ड करेंगे बेहतर प्रदर्शन : टिम डेविड

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के टिम डेविड ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बुधवार को होने वाले मैच को लेकर कहा कि उनकी टीम को ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। पोलार्ड ने पिछले एक दशक से अधिक समय से मुम्बई इंडियंस की ओर से अहम अवसरों पर शानदार प्रदर्शन किया था। टिम ने केकेआर के खिलाफ होने वाले मुंबई इंडियंस के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि पोलार्ड आईपीएल में दस साल से अधिक समय तक खेले हैं, इसलिए उनके पास बहुत अनुभव हैयह सब समय के साथ स्वाभाविक रूप से होता है। इतने साल किसी क्लब के साथ बिताने के दौरान आप हर तरह के हालात से गुजरते हैं, अलग-अलग अनुभव प्राप्त करते हैं, विभिन्न हालातों, ट्रेनिंग में अलग-अलग अनुभव पाते हैं और फिर अपने विचारों और खेल के स्तर के आधार पर टीम के लिए योगदान देते हैं। उम्मीद है, मैं भी उनमें से कुछ अनुभव प्राप्त कर सकूंगा और शायद उनमें से कुछ को अपने खेल में अमल में लगाकर बेहर प्रदर्शन कर पाउंगा। जिससे मैं अपनी टीम की ओर से अच्छा योगदान दे सकूं। डेविड ने साथ ही कहा कि कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच माहेला जयवर्धने से भी उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है। रोहित और जयवर्धने दोनों को खेल के सर्वश्रेष्ठ विचारकों में से एक के रूप में समान रूप से स्वीकार किया जाता है। डेविड मानते हैं कि उनको इन दो दिग्गजों की रणनीति से फायदा मिलेगा और वह इसके माध्यम से अपनी क्षमताओं को निखार सकते हैं। डेविड ने रोहित के बारे में कहा, वह एक मजेदार कप्तान रहे हैं। मैंने उसके साथ केवल दो मैच खेले हैं, लिहाजा उनकी कप्तानी की आदत डाल रहा हूं। साथ ही मैं टीम के हर के सदस्य के साथ रहने और खेलने की आदत डाल रहा हूं।

पुजारा काउंटी चैंपियनशिप के पहले मैच में नहीं खेलेंगे

लंदन । भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्से स के खिलाफ पहले मुकाबले में नहीं खेल पायेंगे। पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद ही काउंटी टीम से करार किया था। पुजारा को 7 अप्रैल को ससेक्से स की ओर से डेब्यू करना था, मगर उन्हें इससे पहले ही झटका लग गया है। वह ससेक्से स के पहले मैच से बाहर हो गए हैं। इसका कारण उनके वीजा पर अभी तक मुहर नहीं लगना बताया गया है। इस कारण वह पहले मैच के लिए टीम से नहीं जुड़ पायेंगे। पुजारा के वीजा मामले में देरी का कारण रूस और यूक्रेन के बीच हो रही जंग है। इस बारे में ससेक्से स के परफॉर्मेंस डायरेक्टर कीथ ग्रीनफील्ड ने कहा कि इंग्लैंड के वीजा संबंधित कार्यालय के लोग यूक्रेन के शरणार्थियों को स्थानांतरित कराने में व्यस्त हैं. उन्होंने कहा कि हम उम्मीद कर रहे थे पुजारा पिछले सप्ताह ही टीम से जुड़ जाएंगे, मगर वो इस सप्ताह के आखिर तक यहां पहुंच जाएंगे। ऐसे में पुजारा अगले सप्ताह वहीं ससेक्से स के कोच और इंग्लैंड के पूर्व लेग स्पिनर इयान सलिसबरी ने कहा कि पहले मैच से पुजारा के बाहर होने पर निराशा है ।

डेफ ओलंपिक के लिए रितिक आनंद भारतीय टीम में शामिल

वैशाली । बिहार के हाजीपुर के रहने वाले रितिक आनंद को ब्राजील में 1 मई से 15 मई तक होने वाले डेफ ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इससे उनके घरवालों के साथ-साथ शहर में खुशी का माहौल है। रितिक के पिता भी अपने बेटे की उपलब्धि से खुश हैं। वहीं बचपन से उसे बैडमिंटन की बारीकियां सीखाने वाले रितिक के प्रशिक्षक को भी इस उपलब्धि पर गर्व का अनुभव हो रहा है। उससे लोगों में उत्साह की लहर है। रितिक के पिता ने कहा कि डेफ एसोशिएशन दिल्ली ने एक ओपन ट्रायल का आयोजन किया था जिसमे देश के कई राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इसमें चार लड़के और चार लड़कियों का चयन किया गया है। इससे पहले 2019 में हुए वर्ल्ड डेफ चैंपियनशिप में रितिम को दो पदक मिले थे। रितिक अभी दिल्ली में ही रहकर ओलंपिक की तैयारी कर रहा है। कम संसाधनों के बाद भी जिस प्रकार से पहले प्रमोद भगत ओर अब रितिक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर का सफर तय किया है। उससे लोगों में उत्साह की लहर है। उससे लोगों में उत्साह की लहर है।

बीसीसीआई के मीडिया और प्रसारण अधिकारों के लिए सोनी, वायकॉम सहित कई बड़ी कंपनियों ने खरीदे दस्तावेज

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आईपीएल 2023 से 2027 तक के मीडिया और प्रसारण अधिकारों के टेंडर निकालते ही बड़ी कंपनियों ने इसे खरीदने की तैयारियां शुरु कर दी हैं। इसी सिलसिले में डिज्नी , टीवी-18 वायकॉम, सोनी , जी, एमेजान प्राइम ने जरूरी दस्तावेज खरीदे हैं। अभी आईपीएल के प्रसारण अधिकार स्टार के पास हैं। मीडिया और प्रसारण अधिकारों की ऑनलाइन नीलामी जून 2022 में होगी। इसके लिए 10 मई तक जरूरी दस्तावेजों को खरीदा जा सकता है। बीसीसीआई के अनुसार बड़ी टेक कंपनी एप्पल भी इस नीलामी में भाग लेगी। वहीं इससे पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था, इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाएगा।इससे जो भी आय होगी उसे घरेलू क्रिकेट के ढ़ांचे को बेहतर बनाया जाएगा। इससे जो भी आय होगी उसे घरेलू क्रिकेट के ढ़ांचे को बेहतर बनाया जाएगा। इस बार मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग अधिकारों की नीलामी काफी खास है, यह 4 सेट में होगी। जिसमें डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग राइट्स , टीवी ब्रॉडकास्टिंग राइट्स (भारतीय उपमहाद्वीप), 18 मुकाबलों का अलग सेट और भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर, इन सभी सेट की नीलामी अलग होगी। अभी तक यह सभी पूरी तरह से एक रखे जाते थे। बोर्ड के द्वारा इसके लिए कुल रकम 32 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक रखी गई है।

राय ने किताब में किया खुलासा , कुंबले के सख्त अनुशासन से खुश नहीं थे अधिकतर खिलाड़ी

नई दिल्ली । साल 2017 में भारतीय क्रिकेट में प्रशासक (सीओए) रहे पूर्व नियंत्रक एवं महा लेखा परीक्षक विनोद राय ने अपनी किताब में दावा किया है कि तब भारतीय टीम के खिलाड़ी कोच अनिल कुंबले से डरे रहते थे। उस समय कप्तान विराट कोहली और कोच अनिल कुंबले के बीच मतभेदों के बाद आखिरकार कुंबले ने पद छोड़ दिया था। अपनी किताब, नॉट जस्ट ए नाइटवॉचमैन- माय इनिंग्स इन द बीसीसीआई में राय ने इस विवाद पर अपनी एक किताब में लिखा है। राय के सीओए रहते ही एक तीन सदस्यीय कमेटी ने कठिन समय में भारतीय क्रिकेट को चलाया था। वहीं कोहली और कुंबले विवाद पर राय ने दावा किया है कि कप्तान और कोच का रिश्ता किसी भी लिहाज से अच्छा नहीं कहा जा सकता। राय ने अपनी किताब में लिखा, कप्तान और टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत में मुझे यह पता चला कि कुंबले अनुशासन को लेकर बेहद सख्त थे और इसी कारण टीम के अधिककतर सदस्य उनसे खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि उन्होंने विराट कोहली से इस बारे में बात की थी और उन्होंने भी इस बात को कहा था कि जिस तरह से कुंबले टीम के युवा सदस्यों के साथ बात करते थे उससे भी वे काफी डरे हुए रहते थे। वहीं दूसरी ओर कुंबले का तर्क था कि वह टीम की बेहतरी को देखते हुए ही अनुसासन में रहने की बात करते हैं। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच के तौर पर उनके रिकॉर्ड को ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिये और शिलाड़ियों की शिकायतों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिये। राय ने लिखा, हमने कुंबले से इस बारे में लंबी बातचीत की। जिस तरह से पूरी घटना सामने आई उससे वह जाहिर तौर पर काफी निराश थे। उन्हें लगता था कि उनके साथ गलत व्यवहार किया गया और एक कप्तान और टीम को इतनी महत्ता नहीं दी जानी चाहिए। कोच का यह कर्त्तव्य है कि कि टीम में अनुशासन और पेशेवर रुख लेकर आए जबकि इस किताब में दावा किया गया है कि कुंबले ने इसी मामले को लेकर कोच पद छोड़ दिया था और उनका यह फैसला अचानक आया था। इस किताब के अनुसार बीसीसीआई की तीन सदस्यीय क्रिकेट सलाहकार समिति ने जून 2017 में चैंपियंस ट्रोफी के दौरान विराट कोहली और अनिल कुंबले से बात की थी। इसी समिति को नए कोच को लेकर बात करनी थी।

केएल राहुल, दीपक हुडा के अर्धशतक, लखनऊ ने हैदराबाद को 170 का टारगेट दिया

मुम्बई । आईपीएल 20 -20 टूर्नामेंट के एक मैच में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 170 का टारगेट दिया। लखनऊ की ओर से कप्तान केएल राहुल ने 68 रन बनाए। दीपक हुडा ने भी अर्धशतक लगाया। हैदराबाद की ओर से वॉशिंगटन सुंदर, शेफर्ड और नटराजन ने 2-2 विकेट लिए। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने मुश्किल हालात में कमाल की पारी खेलते हुए 40 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आईपीएल में ये उनका 28वां और इस फॉर्मेट में ओवरऑल 50वां अर्धशतक रहा। वह 50 गेंदों में 68 रन बनाकर नटराजन की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। राहुल फटाफट क्रिकेट में 50 अर्धशतक लगाने वाले भारत के छठे खिलाड़ी बने। उनसे पहले विराट कोहली (75), रोहित शर्मा (69), शिखर धवन (63), गौतम गंभीर (53) और सुरेश रैना (51) के नाम आते हैं। दीपक हुडा ने बढ़िया पारी खेलते हुए 31 गेंदों पर आईपीएल में अपना पांचवां और इस सीजन दूसरा अर्धशतक पूरा किया। वह 33 गेंदों पर 51 रन बनाकर शेफर्ड की गेंद पर आउट हुए। लखनऊ ने पहले 3 विकेट केवल 27 रन के स्कोर पर गंवा दिए थे। इसके बाद चौथे विकेट के लिए कप्तान केएल राहुल और दीपक हुडा ने 61 गेंदों पर 87 रन जोड़कर टीम को मुकाबले में वापस ला खड़ा किया। इस जोड़ी को शेफर्ड ने हुडा को आउट कर तोड़ा।

बटलर चाहते हैं भारतीय टीम की ओर से तीनों प्रारुप खेलें कृष्णा

मुंबई ।

राजस्थान रॉयल्स के अनुभवी सलामी बल्लेबाज इंग्लैंड के जोस बटलर ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें एक सफल तेज गेंदबाज बनने की सभी योग्यताएं हैं। साथ ही कहा कि वह चाहते हैं कि कृष्णा तीनों प्रारूपों में भारत की ओर से खेलें। कृष्णा ने पिछले साल मार्च में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते ही एक साल में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने अपनी गति और उछाल से वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को परेशान करने के साथ ही आईपीएल में अपनी पिछली फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। बटलर ने कहा, ''कृष्णा के पास गति और कौशल है। ऐसे में खेल के सभी प्रारूपों में भारत के लिए सबसे सफल तेज गेंदबाज बनने के सभी गुण उसमें हैं। मैं उसे भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए भी देखना चाहता हूं।'' बटलर के अनुसार टीम को आर अश्विन, युजवेंद्र चहल और ट्रेंट बोल्ट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के रहने का भी लाभ मिला है। उन्होंने कहा, ''इन खिलाड़ियों का अनुभव अमूल्य है।

उन खिलाड़ियों का टीम में होना शानदार है, हमारे पास काफी अनुभव है। मुंबई के खिलाफ मैच जब हमें विकेट की जरूरत थी तब अश्विन ने शानदार विकेट हासिल किया और फिर चहल ने भी विकेट लेकर इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। मुंबई के खिलाफ मैच जब हमें विकेट की जरूरत थी तब अश्विन ने शानदार विकेट हासिल किया और फिर चहल ने भी विकेट लेकर इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। यह सभी शीर्ष स्तर का अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं और उन्हें पता है कि कैसे चीजों को अंतिम स्तर तक पहुंचाया जाता है।''वहीं कप्तान संजू सैमसन को लेकर बटलर ने कहा कि जब उन्होंने एक साथ खेलना शुरू किया था तब की तुलना में यह विकेटकीपर बल्लेबाज अब एक खिलाड़ी के रूप में अधिक परिपक्व हुआ है। वहीं मैच के परिणाम पर ओस के प्रभाव को लेकर इस बल्लेबाज ने कहा कि यह हमारे हाथ में नहीं है पर हमें अब गीली गेंद से खेलने का अभ्यास हो गया है। हमें इसके साथ सामंजस्य बिठाना ही होगा।

प्रहलाद जी पटेल का जीवन अर्थात स्वतंत्रता की लड़ाई, भूदान आंदोलन और समाज सेवा की त्रिवेणी धारा में बहा जीवनः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि बहुत कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि गुजरात के तीन शक्तिपीठों में से एक बहुचराजी की भूमि पर बहुमुखी प्रतिभा के धनी शेठ प्रहलाद जी ने जीवन को अनेक आयामों में जिया है। प्रहलाद जी पटेल का जीवन अर्थात स्वतंत्रता की लड़ाई, भूदान आंदोलन और समाज सेवा की त्रिवेणी धारा में बहा जीवन। बहुचराजी में प्रहलाद जी शेठ के जीवन चरित्र पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते हुए उन्होंने यह बात कही। पूरे परिवार और पुस्तक के प्रकाशन में कड़ी मेहनत करने वाले सभी लोगों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आप सभी लोगों ने इस पुस्तक के माध्यम से बड़ी सेवा की है। प्रहलाद जी शेठ यानी मानवता का उजियारा। वे निष्कपटता, निडरता, सादगी, प्रामाणिकता और परिश्रम जैसे अनेक गुणों से सुशोभित थे। उन्होंने विश्वास जताया कि इस पुस्तक के माध्यम से उनका व्यक्तित्व और कृतित्व जन-जन तक पहुंचेगा। प्रहलाद जी शेठ की पुरानी लाटी (लकड़ी की दुकान) का नवनिर्माण कर 'शेठ प्रहलाद बाजार' नाम दिया है। यह नया बाजार प्रहलाद जी शेठ की स्मृति चिरकाल तक लोगों के हृदय में बसी रहेगी। पटेल ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं। यह प्रहलाद जी शेठ जैसे अनेकों प्रसिद्ध एवं गुमनाम क्रांतिवीपों के त्याग, बलिदान और तपस्या को याद करने और उनसे प्रेरणा लेने का उत्सव है। आजादी के अमृत महोत्सव के इस वर्ष में प्रहलाद जी शेठ के जीवन पर आधारित यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणापुंज साबित होगा। प्रहलाद जी शेठ ने भूदान यज्ञ में भी बड़ा योगदान दिया था। अपनी 200 बीघा जमीन भूदान में देने के अलावा उन्होंने उत्तर गुजरात में इस आंदोलन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री प्रहलाद जी ने देश के भौगोलिक एकीकरण के लिए सरदार पटेल को आवश्यक सहयोग भी दिया था। जनता के प्रतिनिधि के रूप में सार्वजनिक जीवन, समाज सुधार, असामाजिक तत्वों के खिलाफ मजबूत लड़ाई, शिक्षा के प्रसार, दलितों के उद्धार और ग्रामोत्थान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने ऐतिहासिक कार्य किया था। प्रहलादभाई शेठ को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी के लिए वीरता के साथ मुकाबला करने वाले प्रहलाद जी शेठ के कार्य को उजागर करने से अपने गुजरात का गौरव बढ़ेगा। आजादी की लड़ाई के दौरान उन्होंने दो बार साबरमती और येरवडा में कारावास भोगा था। उनके पिता का निधन होने पर अंतिम संस्कार चचेरे भाई के हाथों करवाया, लेकिन माफी पत्र लिखकर जमानत पर रिहा होना उन्हें स्वीकार्य नहीं था। प्रहलाद जी शेठ दूसरे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को आश्रय देकर अंग्रेजों के खिलाफ ढाल बन गए थे। आजादी की जंग में उन्होंने अनेक अत्याचार सहन किए। अपनी पीठ पर बने जख्मों के निशान को प्रहलाद जी शेठ ने अंग्रेजों द्वारा दिया गया स्वर्ण पदक करार दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रहलाद जी शेठ ने उस जमाने में अपनी जमीन में प्राकृतिक खेती का सफल प्रयोग किया था।

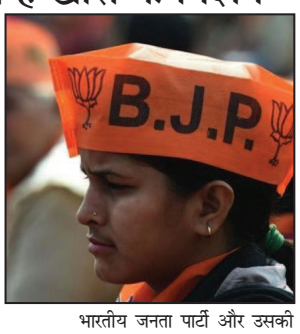

केसरिया टोपी पहने नजर आएंगे बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता गुजरात से है खास कनेक्शन

अहमबदाबाद। बीजेपी के सांसद और कार्यकर्ता अब आपको केसरिया रंग की टोपी में नजर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने अहमबदाबाद में रोड़ शो के दौरान ये टोपी पहनी थी। अब इस टोपी को सभी बड़े नेताओं के अलावा बीजेपी के लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को भेजा जा रहा है। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में ये टोपी ही बीजेपी कार्यकर्ताओं की पहचान बनेगी। बीजेपी संसदीय दल कार्यालय को ये जिम्मेदारी दी गई है कि वो हर भाजपा सांसद के पास ये टोपी पहुंचाए। लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर बीजेपी के सभी 400 सांसदों को ये टोपी और साथ में एक किट पहुंचाई जा रही है। इस किट में बीजेपी के निशान वाली पांच टोपियों के अलावा पोषक शक्ति बढ़ाने वाले चॉकलेट हैं। माना जा रहा है कि भाजपा सांसद सार्वजनिक तौर पर ये टोपी लगाएंगे। इसके अलावा बीजेपी के कर्मठ कार्यकर्ता भी केसरिया टोपी और खेस पहना करेंगे जिसे अंगवस्त्र या गमछा भी कहा जाता है। जानकारी के मुताबिक गुजरात बीजेपी ने खास तौर पर ये टोपी तैयार करवाई है। इस नई टोपी के डिजाइन में ब्रम्हकमल का फूल है जिसे उत्तराखंड से लिया गया है। इस बार गणतंत्र दिवस की परेड़ में भी पीएम मोदी ने ये टोपी पहनी थी। दरअसल ये केसरिया टोपी भारतीय जनता पार्टी और उसकी विचारधारा से जुड़ी हुई है। आजादी से पहले आरएसएस के कार्यकर्ता केसरिया रंग की टोपी पहना करते थे। उसी टोपी को अब बीजेपी अपनी पहचान बनाने जा रही है। बीजेपी ने केसरिया टोपी में कमल का फूल लगाकर आधिकारिक तौर पर इस टोपी को अपनी पार्टी क पहचान घोषित कर दी है।

गुजरात में अभी चुनाव हुए तो 'आप' को बहुमत नहीं, पर बेहतर संभावनाएं, मिलेंगी 58 सीटें

अहमदाबाद।

पंजाब फतह के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल अब गुजरात में पार्टी के विस्तार की बेहतर संभावनाएं देख रही है। यहां तक कि पार्टी नेता तो अच्छी खासी संख्या में विधानसभा सीटें जीतने का दावा भी करने लगे हैं। जैसे कि आप के गुजरात प्रभारी डॉक्टर संदीप पाठक ने दावा किया है कि अगर राज्य में अभी चुनाव हो जाते हैं तो उनकी पार्टी को 58 सीटें जीत सकती है।

संदीप पाठक ने एक बातचीत के दौरान कहा, 'हमें एक सरकारी खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट की जानकारी मिली है। उसके मुताबिक आप गुजरात में 55 तक सीटें जीत सकती है। जबकि हमने वैज्ञानिक आधार पर एक अपना आंतरिक सर्वे भी कराया है। इसके हिसाब से अगर विधानसभा चुनाव हो जाते हैं, तो हमें गुजरात में 58 सीटें मिल सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'गुजरात के लोगों को बदलाव चाहिए। कांग्रेस इस वक्त भारतीय जनता पार्टी को नहीं हरा सकती। पूरा गुजरात ये जानता है। ऐसे में आप ही एक विकल्प रह जाता है। गुजरात के लोग उसके जरिए बदलाव लाएंगे। वैसे, हम किसी पार्टी को हराना नहीं चाहते। हम चाहते हैं कि गुजरात के लोग जीतें। उन्हें अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजनगार जैसी मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।'

पाठक ने बताया, 'एक समय था जब गांवों में कांग्रेस पार्टी काफी मजबूत हुआ करती थी। लेकिन अब स्थितियां वहां बदल चुकी हैं। इसलिए हमारा पहला ध्यान उन्हीं इलाकों पर है। शहरों में भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग अब भाजपा पर भरोसा नहीं करता। हम उनके लिए भी बेहतर विकल्प बनने की कोशिश कर रहे हैं।' बताते चलें कि गुजरात में वैसे तो इस साल दिसंबर तक विधानसभा चुनाव होना है। हालांकि कुछ जानकार ये भी संभावना जता रहे हैं कि शायद ये चुनाव कुछ पहले भी कराए जा सकते हैं। संदीप पाठक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर हैं।

उन्हें आप के प्रमुख रणनीतिकारों में गिना जाता है। पंजाब विधानसभा चुनाव में आप को मिली एकतरफा जीत का श्रेय भी उनकी रणनीतियों को दिया जा रहा है। पाठक अब उसी तरह की रणनीतियां गुजरात में लागू कर रहे हैं। उन्होंने बातचीत के दौरान कहा भी, 'जो लोग भी अच्छे स्कूल, अस्पताल जैसी सुविधाएं गुजरात में चाहते हैं, उन सभी का आप में स्वागत है।' उन्होंने यह भी कहा, 'गुजरात और पंजाब में काफी कुछ समान है। दोनों राज्य तरक्की पसंद हैं। दोनों को बदलाव की दरकार है।'

स्व. अहमद पटेल के पुत्र फैजल पटेल कांग्रेस से नाराज, केजरीवाल की कर चुके हैं तारीफ

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। एक को मनाती है दूसरा नाराज हो जाता है। अब तक कांग्रेस के कई दिग्गज नेता पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं। स्व. अहमद पटेल के पुत्र फैजल पटेल ने कांग्रेस हाईकमांड के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। गांधी परिवार के सबसे करीबी रहे स्व. अहमद पटेल के बेटे फैजल पटेल ने ट्वीट कर कहा है कि 'मेरे पास सारे विकल्प खुले हैं। मैं प्रतीक्षा कर थक गया हूं। पार्टी हाईकमांड की ओर से कोई प्रोत्साहन नहीं मिल रहा।' पिछले महीने के अंत में फैजल पटेल ने कहा था कि वह अब तक राजनीति में औपचारिक प्रवेश के लिए तैयार नहीं हैं। हांलाकि वे अपने भरुच जिले और नर्मदा में पर्दे के पीछे रहकर कांग्रेस के लिए काम करेंगे। रविवार को फैजल पटेल ने एक ट्वीट किया। अपने ट्वीट में फैजल पटेल ने कहा '1 अप्रैल से मैं भरुच और नर्मदा जिले की । विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करूंगा। मेरी टीम राजनीतिक परिस्थिति की मौजूदा स्थिति का मूल्यांकन करेगी और जरूरत हुई तो हमारा लक्ष्य पूर्ण करेगी।' फैजल पटेल के इस ट्वीट के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई थी। कांग्रेस के लिए हमेशा संकट मोचक रहे अहमद पटेल के निधन के बाद माना जा रहा था कि अब उनका पुत्र गुजरात की राजनीति में अपने पिता की विरासत संभालेंगे। हांलाकि पिता के निधन के बाद फैजल पटेल ने राजनीति जॉइन नहीं करने के बारे में ट्वीट के जरिए जानकारी दी थी। जिसके बाद फैजल पटेल के राजनीति जॉइन करने की अटकलें खत्म हो गई थीं। लेकिन एक साल पहले

फैजल पटेल ने ट्वीट कर आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमकर तारीफ की थी। फैजल पटेल ने अरविंद केजरीवाल की तस्वीर भी ट्वीट के जरिए साझा की थी। लेकिन अब फैजल पटेल ने कांग्रेस हाईकमांड के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी है। गुजरात विधानसभा चुनावों को लेकर एक ओर कांग्रेस जहां संगठन को मजबूत करने की कोशिशों में जुटी हुई है, दूसरी ओर पार्टी के दिग्गज नेता साथ छोड़ रहे हैं। ऐसे में गांधी परिवार गरीबी रहे स्व. अहमद पटेल के बेटे फैजल पटेल के कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व खिलाफ नाराजगी वाला ट्वीट पार्टी के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं।

सरकारी नौकरियों के नाम पर युवकों से लाखों की ठगी, युवती समेत 3 लोग गिरफ्तार

अहमदाबाद।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच सरकारी नौकरी की लालच देकर युवाओं से लाखों रुपए ऐंठने वाले एक गिरोह को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरोह में एक युवती और तीन युवक हैं। पकड़े गए लोगों ने सरकारी नौकरियों के लिए डेढ़ से दस लाख रुपए तक युवाओं से ठगे थे। यह गिरोह अब तक युवाओं से करीब सवा तीन करोड़ रुपए ऐंठ चुका है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार हरिश प्रजापति सेना का निवृत्त जवान है, जिसने गांधीनगर के दहेगाम में सरकरी नौकरियों में भर्ती कराने के लिए एकेडमी खोली थी। जिसमें गुजरात के अलावा राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। रजिस्ट्रेशन करवाने वाले युवाओं से पीएसआई, कांस्टेबल, हेड क्लर्क, एलआरडी पुरुष व महिला के साथ अहमदाबाद नगर निगम

में क्लर्क की नौकरी दिलाने की लालच देकर लाखों रुपए लिए गए थे। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने पूर्व सूचना के आधार पर पहले रवि प्रतापसिंह को गिरफ्तार किया। जिसके बाद हरिश और पूजा ठाकोर को गिरफ्तार किया। हरिश के लोग उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सरकारी नौकरियों के वांच्छुक युवकों से संपर्क कर दहेगाम स्थित एकेडमी भेजती थे। एकेडमी की जांच में क्राइम ब्रांच ने 81 डाक्यूमेंट बरामद किए हैं। जिसमें 60 उम्मीदवार राजस्थान और 4 उत्तर प्रदेश के हैं। ये सभी उम्मीदवार अहमदाबाद के निवासी नहीं होने के बावजूद भर्ती फोर्म गुजरात के फर्जी पते से भरे गए थे। जांच में पता चला है कि हरिश प्रजापति पहले भी रुपए ऐंठने के आरोप में मेहसाणा में गिरफ्तार हो चुकी है। इस मामले में अब भी 2 आरोपी फरार हैं, जिनकी पुलिस ने तलाश तेज कर दी है।

विश्व बैंक के वैश्विक शिक्षा निदेशक नेतृत्व में विश्व बैंक का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल गुजरात दौरे पर

अहमदाबाद । विश्व बैंक का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल गुजरात में विद्यालय शिक्षा क्षेत्र में हो रहे आमूल परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए आज हमारे राज्य के दौरे पर आया है। वॉशिंगटन स्थित विश्व बैंक के वैश्विक शिक्षा निदेशक हैमे सावेद्रा के नेतृत्व में यह प्रतिनिधमंडल गुजरात की यात्रा पर आया है। इससे पूर्व प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ भी मुलाकात की। हैमे सावेद्रा दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के शिक्षा मंत्री रह चुके हैं तथा वर्तमान में विश्व बैंक के वैश्विक शिक्षा निदेशक हैं। श्री सावेद्रा गुजरात में विद्यालय शिक्षा क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपए की लागत वाले 'मिशन स्कूल्स ऑफ़ एक्सीलेंस' के माध्यम से हो रहे आमूल परिवर्तनों और कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (CCC) के माध्यम से हो रहे डेटा आधारित इनिशिएटिव्स से प्रभावित हुए हैं। इसीलिए श्री हैमे सावेद्रा ष्टष्ट एवं शैक्षिक सुधारों के गुजरात मॉडल का स्व-अध्ययन कर उसे ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस घोषित करने के लिए आज गुजरात आए हैं। इस अवसर पर हैमे सावेद्रा ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि हमें गुजरात में शिक्षा क्षेत्र में हो रहे उत्कृष्ट कार्य देखने का अवसर मिला। समग्र विश्व की तुलना में गुजरात में शिक्षा का योगदान सही दिशा में जा रहा है। गुजरात विद्यार्थियों को सुविधाएँ उपलब्ध करा रहा है, वह प्रशंसनीय है। सरकार के प्रयासों से विद्यार्थियों की शिक्षा गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह भी प्रशंसनीय है कि गुजरात ने स्कूलिंग के साथ-साथ लर्निंग पर भी विशेष बल दिया है। गुजरात में शिक्षा क्षेत्र में विद्यार्थियों के फ़ोकस तथा माइंड सेट पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसमें शिक्षकों तथा आचार्यों का भी यह प्रयास होता है कि विद्यार्थी कुछ नया सीखें। उन्होंने कहा कि कई बार हमें लगता है कि बच्चे स्कूल जाते हैं, तो पढ़ाई ही करते होंगे, परंतु वास्तव में ऐसा होता नहीं है। इसलिए प्रोडक्टिव लाइफ़ के लिए स्कूल में शिक्षा के साथ-साथ फ़ंडामेंडल स्किल्स भी होना ज़रूरी है। राज्य सरकार गुजरात में शिक्षा क्षेत्र में सदैव नए-नए शैक्षिक सुधार लागू कर शिक्षा स्तर में सुधार लाने के लिए कटिबद्ध है।

स्कूलिंग सुनिश्चित करने के बाद प्रत्येक बच्चे की लर्निंग भी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा शिक्षा गुणवत्ता सुधार के श्रृंखलाबद्ध क़दम उठाए जा रहे हैं। स्कूलों को प्रतिस्पर्धात्मक एवं ढाँचागत रूप से श्रेष्ठ बनाया जाए और बच्चों को शिक्षा सुविधाओं, भौतिक सुविधाओं, स्मार्ट क्लासरूम्स, स्टेम लैब, सह-आभ्यासिक प्रवृत्तियों से युक्त आकर्षक स्कूल उपलब्ध हों, तो शिक्षा गुणवत्ता में अधिकतम् सुधार हो सकते हैं। उत्तम तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य में आगामी पाँच वर्षों में लगभग 10,000 करोड़ रुपए की लागत से 'मिशन स्कूल्स ऑफ़ एक्सीलेंस' चलाने का निश्चय किया गया है। स्कूल्स ऑफ़ एक्सीलेंस प्रोजेक्ट के माध्यम से आगामी पाँच वर्षों में सभी 35,122 सरकारी विद्यालयों तथा 5,847 ग्रांट-इन-एड विद्यालयों सहित कुल लगभग 41,000 सरकारी व ग्रांट-इन-एड विद्यालयों को 'मिशन स्कूल्स ऑफ़ एक्सीलेंस' के अंतर्गत लाभान्वित किया जाएगा। इन विद्यालयों में से 20,000 विद्यालयों को उत्कृष्ट बनाने के लिए विश्व स्तरीय ढाँचागत सुविधाएँ तथा शैक्षिक सुविधाएँ प्रदान की जाएँगी। इन स्कूलों में आगामी पाँच वर्षों में कुल 50,000 नए क्लासरूम्स का निर्माण, 1,50,000 क्लासरूम्स में स्मार्ट क्लास की सविधा, 20,000 नए कम्प्यूटर लैब, 5,000 स्टेम लैब / टिंकरिंग लैब आदि मुहैया कराने का लक्ष्य है, जिसके माध्यम से अगले पाँच वर्षों में राज्य के लगभग 1 करोड़ विद्यार्थियों को सीधा लाभ होगा। राज्य के अत्यंत महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों वर्ल्ड बैंक (डब्ल्यूबी) तथा एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) द्वारा 1 (एक) बिलियन यूएस डॉलर यानि लगभग 7,500 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया है। विश्व बैंक की ओर से शिक्षा क्षेत्र में समग्र भारत में अब तक की सबसे बड़ी फ़ंडिंग 'मिशन स्कूल्स ऑफ़ एक्सीलेंस' के लिए की गई है तथा एआईआईबी समग्र विश्व में शिक्षा क्षेत्र में पहली बार इस प्रकार के प्रोजेक्ट पर गुजरात के शिक्षा भाग के साथ कार्य कर रहा है।

गुजरात के कच्छ-भुज में स्थापित होगा इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन का विनिर्माण संयंत्र

अहमदाबाद । गुजरात के कच्छ-भुज में इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन का विनिर्माण संयंत्र स्थापित होगा। इस संबंध में मंगलवार को गांधीनगर में ट्रिटोन इलेक्ट्रिक व्हीकल एलएलसी और गुजरात सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। 10,800 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ स्थापित होने वाले इस संयंत्र के अंतर्गत ट्रिटोन इलेक्ट्रिक व्हीकल चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 1200 करोड़ रुपए के निवेश के साथ यह संयंत्र शुरू करेगी। इस संयंत्र के स्थापित होने से लगभग 10 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे। गुजरात सरकार की ओर से उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजीव कुमार गुप्ता और ट्रिटोन इलेक्ट्रिक व्हीकल की तरफ से कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिमांशु पटेल ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर उसका आदान-प्रदान किया। ट्रिटोन इलेक्ट्रिक व्हीकल के 645 एकड़ क्षेत्र में आकार लेने वाले इस प्रस्तावित संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 50 हजार ट्रक की होगी। इतना ही नहीं, कंपनी चेसिस और केबिन, रोबोटिक पेंट शॉप, चेसिस सब असेंबली और क्वालिटी एश्योरेंस तथा मटीरियल टेस्टिंग लैब जैसी इन हाउस सुविधाएं भी स्थापित करेगी। उल्लेखनीय है कि ट्रिटोन इलेक्ट्रिक व्हीकल अमेरीका स्थित कंपनी है, जिसे लिथियम बैटरी सेल और इलेक्ट्रिक व्हीकल कंट्रोलर्स के उत्पादन में खास महारत हासिल है।

ट्रिटोन विश्वस्तरीय सुरक्षा और फंक्शनालिटीज यानी व्यावहारिकता के साथ श्रेष्ठ लॉन्ग रेंज इलेक्ट्रिक व्हीकल विकसित कर रही है। ट्रिटोन अमेरिका में इलेक्ट्रिक सेमी ट्रक, एसयूवी, इलेक्ट्रिक सेडान, डिफेंस इलेक्ट्रिक व्हीकल और इलेक्ट्रिक रिक्शा का उत्पादन करती है। अब कंपनी गुजरात के भुज में अपना प्लांट स्थापित करने जा रही है, उस संबंध में उन्होंने गुजरात सरकार के साथ एमओयू किया है। राज्य सरकार इस संयंत्र की स्थापना के लिए आवश्यक अनुमतियां देने और पंजीयन प्रक्रियाओं में मौजूदा नीति-नियमों के अनुसार सहायक बनेगी। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोषी, उद्योग आयुक्त राहुल गुप्ता तथा ट्रिटोन इलेक्ट्रिक व्हीकल के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे ने 2021-22 में अब तक का सर्वाधिक माल लदान कर बनाया एक नया कीर्तिमान

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे की माल और पार्सल विशेष ट्रेनें कोविड महामारी के कठिन समय के दौरान भी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को चालू रखने के लिए देश भर में चलती रही हैं। निरंतर प्रयासों के माध्यम से, पश्चिम रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में 87.91 प्रतिशत माल लदान हासिल किया है जो पिछले वर्ष के 80.71 मिलियन टन से 8.9त्न अधिक है। इस उपलब्धि से 2014-15 में बनाए गए 87.29 मिलियन टन का 7 साल पुराना रिकॉर्ड भी टूट गया है। पश्चिम रेलवे एवं मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार लाहोटी ने यह उपलब्धि हासिल करने पर पश्चिम रेलवे की टीम को बधाई दी है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आपदा को अवसर में बदलते हुए पश्चिम रेलवे ने कोयला, सीमेंट, नमक, ऑटो रेक, कंटेनर और लोहा और इस्पात खंडों में लदान में सार्थक वृद्धि की है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान पश्चिम रेलवे ने कंटेनर (25.13.एमटी), सीमेंट (14.61 एमटी), लोहा और इस्पात (2.08 एमटी), नमक (7.41 एमटी) और ऑटोमोबाइल (395 रेक) में अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठप लोडिंग हासिल की है। ठाकुर ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 में माल से राजस्व लगभग 108 58 करोड़ रु. रहा है जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.22% अधिक है। पश्चिम रेलवे ने कंटेनर यातायात से सर्वाधिक 2429.18 करोड़ रु. का राजस्व प्राप्त किया जो कि भारतीय रेल पर सबसे अधिक है। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2021-22 में पश्चिम रेलवे कई क्षेत्रों में प्रथम रही है जैसे कि 29 मार्च, 2022 को वडोदरा मंडल में मेसर्स कॉनकॉर के फर्स्ट गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल की कमीशनिंग जो कि सीजीएमवी द्वारा सेवित है, सूरत क्षेत्र से एनएमजी रेक में टेक्सटाइल की लोडिंग एवं पहली बार राजधानी एक्सप्रेस में पार्सल वैन को लीज़ पर देना आदि। पश्चिम रेलवे ने कुल 198 किसान रेल पार्सल विशेष ट्रेनें चलाकर प्याज, लहसुन, चीकू, कच्चे केले आदि के परिवहन से 20.29 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया। पश्चिम रेलवे ने वित्त वर्ष 2021-22 में माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए धोराजी, रुनिजा, असरवा, खरिरोहर रोड और रानाव में नए गुड्स शेडों को चालू किया है। 2021-22 में पश्चिम रेलवे ने 28 29 रेकों से नए और अतिरिक्त माल यातायात को जोड़ा, जिससे रेलवे को 1030.64 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त8 हुआ। ठाकुर ने यह भी कहा कि गति में यह वृद्धि पश्चिम रेलवे द्वारा माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए की गई विभिन्न पहलों के कारण संभव हुई है। पश्चिम रेलवे ने माल और पार्सल के परिवहन के लिए रेलवे के साथ गठजोड़ करने के लिए माल ढुलाई करने वालों को आकर्षित करने के लिए रेल मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं शुरू कीं। इसके अतिरिक्त, नए यातायात को आकर्षित करने और यातायात की मौजूदा धारा में रेल हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए मुख्यालय स्तर और सभी मंडलों में बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों (ब्ष्ठ) का भी गठन किया गया। इससे रेलवे माल ढुलाई ग्राहकों को सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम हुआ है और राजस्व में भी वृद्धि हुई है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)